जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, सोमवार 10 नवम्बर, 2025

राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

सशक्त महिला - समृद्ध राजस्थान

5 लाख लाभार्थी महिलाएं
₹170 करोड़ का भुगतान
मुख्यमंत्री मातृत्व पोषण योजना

22,559 कन्याएं
₹83 करोड़ का अनुदान
कन्या विवाह

बालिका जन्म पर **₹1 लाख से**
बढ़ाकर ₹**1.50 लाख**
लाडो प्रोत्साहन योजना

20 प्रतिशत
की वृद्धि
आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का मानदेय

2,216 पद
स्वीकृत
तीन महिला बटालियन

9.71 लाख महिलाएं
₹530 करोड़ का अनुदान
देय राशि **5,000 से बढ़ाकर 6,500**
प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

7,268 लाभान्वित जोड़े
₹19.75 करोड़ का अनुदान
सामूहिक विवाह योजना

₹450 में घरेलू गैस सिलेंडर
₹558 करोड़ का अनुदान
मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना

19.15 लाख पेंशनरों को
₹5,702 करोड़ का भुगतान
एकल नारी सम्मान पेंशन योजना

20 प्रतिशत बढ़ाकर
₹6,428 प्रतिमाह
साथिन का मानदेय

1.31 लाख स्वयं सहायता समूहों को
₹648 करोड़ की राशि
महिला आजीविका संवर्धन

18.80 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण
10.99 लाख महिलाएं
लखपति दीदी

1,000 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट
500 स्कूटी
2,000 कॉन्स्टेबल पदों का सृजन
महिला सुरक्षा

90 वन धन विकास केंद्र गठित
15,878 जनजाति महिलाएं लाभान्वित
पीएम-जन मन योजना

10.51 लाख साइकिलें
39,079 स्कूटियां
छात्राओं को वितरण

4.21 लाख पेंशनरों को
₹624 करोड़ का भुगतान
विधवा पेंशन योजना

₹199 करोड़
2,273 ऋण आवेदन
मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना

1.94 लाख को
₹4,704 करोड़
स्वयं सहायता समूहों को ऋण

54,654 छात्राओं को
₹98 करोड़ की प्रोत्साहन राशि
कृषि अध्ययन को बढ़ावा

1.22 करोड़ महिलाओं एवं
बालिकाओं को
प्रति माह 12 नैपकिन
नि:शुल्क सैनेटरी नैपकिन

6.04 लाख बालिकाएं
₹296 करोड़
बालिकाओं को विभिन्न योजनाओं में सहायता

दो वर्ष की उपलब्धि - आत्मनिर्भर महिला शक्ति

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

सड़क में मुड़ाव होना, उसका खत्म होना नहीं है, जब तक कि आप स्वयं मुड़ने में विफल नहीं होते। –हेलेन केलर

दो विकल्पों में से किसी एक को हमें ही चुनना है!

भारत में वृद्ध आबादी बहुत तेज़ी से बढ़ रही है। वृद्ध अर्थात वे जिनकी आयु साठ वर्ष या अधिक है। इस वृद्धि का सबसे बड़ा कारण यह है कि हमारे यहां औसत आयु बहुत तेज़ी से बढ़ी है। सन् 2011 में जहां यह 67 वर्ष थी, 2025 में बढ़कर 71.2 वर्ष हो गई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार इस समय देश में लगभग 15 करोड़ वृद्ध हैं जो हमारी कुल आबादी का 10.5 प्रतिशत है। अनुमान लगाया गया है कि यह वृद्ध आबादी सन 2030 तक 18 करोड़, 2047 तक 34 करोड़ और 2050 तक 40 करोड़ हो जाएगी। इस बरस अर्थात सन् 2025 में अस्सी पार के वृद्धों की संख्या 1.7 करोड़ है जो 2050 तक आते-आते 9 करोड़ हो जाएगी। इसे यों भी समझें कि अस्सी पार के वृद्ध पांच गुना बढ़ जाएंगे। और इसे इस तरह भी देखें कि अगले दस बरस में हर पांचवां भारतीय साठ बरस से अधिक उम्र का होगा।

अब कुछ और आंकड़ों पर भी नज़र डाल लें। भारत में लगभग 71% वृद्धजन गांवों में रहते हैं। दूसरी बात, सन 2024 में कम से कम 21% वृद्ध किसी न किसी रोग से पीड़ित थे। इसी के साथ यह बात भी जोड़ कर देख लें कि हमारे देश में केवल 18% वृद्धजन के पास कोई पेंशन है। अब यह बात और देखें कि भारत में सामाजिक संरचना बहुत तेज़ी से बदली है। संयुक्त परिवार लगभग विलुप्त हो चुके हैं। युवा रोज़ी-रोटी की तलाश में गांवों से शहरों में आ गए है या आ रहे हैं और उन्हें अपनी आजीविका के लिए एक से दूसरे स्थान पर जाते रहना पड़ रहा है। केवल वे जो निजी व्यवसाय करते हैं, एक जगह टिक कर रह पाते हैं, हालांकि उनमें से भी बहुत सारे अनेकानेक कारणों से अपना ठिकाना बदलने को विवश होते हैं, या उसे बदलने का चुनाव करते हैं। इन बातों की वजह से वृद्धजन का अपने बच्चों के साथ रह पाना कठिन होता जा रहा है। वे कहीं रहते हैं, उनके बच्चे कहीं और रहते हैं। एक तो बच्चों के लिए उन्हें हर जगह अपने साथ ले जाना सम्भव नहीं होता, और अगर वे ले भी जाएं तो वृद्धजन बहुत आसानी से नई जगह में अपने को समायोजित नहीं कर पाते हैं। ऐसे में उनके पास यही विकल्प बचता है कि वे स्वतंत्र रूप से अकेले रहें। और वे रहते हैं। शहरों में अकेले या एक दूसरे के सहारे रहने वाले वृद्धजन अब अपवाद नहीं रह गए हैं।

अब, वृद्धजन की अपनी समस्याएं होती हैं। उम्र बढ़ने के साथ-साथ वे अशक्त होते जाते हैं। अनेक रोग उन्हें अपनी गिरफ़्त में ले लेते हैं। पूरे समाज में ही अलगाव बढ़ता जा रहा है। सामाजिकता के तौर तरीके बदलते जा रहे हैं। लोगों का आपस में मिलना-जुलना कम होता जा रहा है। इसका सबसे अधिक प्रभाव इन वृद्धजन पर ही पड़ता है। जब उन्हें किसी सहयोग या सहायता की ज़रूरत होती है तो वह उन्हें उपलब्ध नहीं होती है। लेकिन ज़रूरतें तो होती ही हैं। वे तो स्थगित होती नहीं। कम भी नहीं होती। आपको बाज़ार से कुछ खरीददारी करनी है, दवा लानी है, बिजली या पानी का बिल जमा कराना है- ऐसे अनगिनत काम होते हैं। जब जवान थे तो दौड़-दौड़ कर ये सारे काम कर लिया करते थे। अब घर से बाहर निकलना भी जैसे बोझ महसूस होता है। उसे टालते रहते हैं। सोचते हैं कि दो-तीन काम इकट्ठे हो जाएंगे तब जाकर एक साथ कर लेंगे। लेकिन हर काम तो इस बात का इंतज़ार नहीं कर सकता। अगर कोई बिल जमा कराना है तो लास्ट डेटसे पहले कराना ही है। कहीं की यात्रा करनी है तो रिज़र्वेशन कराना ही है। ऐसी अनगिनत बातें हैं।

यह बहुत अच्छी बात है कि हम तमाम तरह की चुनौतियों से जूझते हुए, टकराते हुए जी रहे हैं। हमारे मां-बाप जिस उम्र में तस्वीरों में बच रहे थे, उस उम्र को हम कभी का पार कर चुके हैं और ठाठ से जी रहे हैं। हमारा यह ठाठ बना रहे, हमारा जीवन सुगमतापूर्वक चलता रहे, अपनी समस्याओं को हम ख़ुद हल करते रहें और जीवन की परेशानियों के हल तलाश करके अपनी जीवन यात्रा को सुगम बनाते रहें, इसके लिए प्रयत्न हमीं को करने होंगे। हमारे पास दो ही विकल्प हैं - या तो परेशानियों का रोना रोते रहें, या उन्हें हल करने के प्रयत्न करते रहें! चुनाव हम को ही करना है!

समाज का एक तबका, और उसमें वृद्धजन भी शामिल हैं, इन समस्याओं में से अधिकांश का हल तकनीक में ढूंढ चुका है। बैंक का कोई काम, जीवन बीमा का कोई काम, बस या रेल टिकिट खरीदने का काम, किसी विभाग के विरुद्ध कोई शिकायत करने का काम, आयकर रिटर्न भरने का काम, छोटा-मोटा भुगतान करने का काम, बाज़ार से खरीददारी करने का काम, कहीं जाने के लिए ऑटो या टैक्सी मंगवाने का काम – ये और इस तरह के अनगिनत काम ये लोग तकनीक की मदद से कर लेते हैं। सच तो यह है कि तकनीक ने लोगों का जीवन बहुत सुगम बना दिया है। आपको किसी सामान की ज़रूरत है, ऐसी अनेक सेवाएं हैं जो दस मिनिट से भी कम समय में वह सामान आपको उपलब्ध करा देती है। आप खाना खाने बाहर नहीं जाना चाहते तो बाहर का खाना आपके घर पहुंचा दिया जाता है। यूपीआई के चलन ने नकद धन राशि अपने पास रखने की ज़रूरत को बहुत ही कम कर दिया है। बैंक के सारे काम घर बैठे हो जाते हैं। ख़ुद मुझे अपने बैंक की शाखा में गए कम से कम पांच बरस तो हो ही गए हैं। अपनी पास बुक मैं अपडेट कराता ही नहीं हूं। और सच तो यह है कि बहुत सारे बैंकों ने पास बुक की व्यवस्था ही ख़त्म कर दी है। तो, उम्र बढ़ने की वजह से हमारे चलने-फिरने की सामर्थ्य में जो कमी आई है उसकी बहुत प्रभावशाली पूर्ति तकनीक ने कर दी है।

लेकिन जब मैं अपने हम उम्र साथियों से मिलता हूं तो उनके पास शिकायतों और व्यथाओं की एक बड़ी पोटली होती है। यही व्यथा कि इस काम के लिए कहां जाएं और वह काम कैसे करवाएं। मैं जब उनसे कहता हूं कि बहुत सारे काम आप तकनीक के माध्यम से करके अपनी व्यथाओं को कम कर सकते हैं, तो उनमें से अधिकांश का जवाब होता है, हमने तो पहले कभी इस तकनीक का इस्तेमाल किया ही नहीं! अब इस उम्र में नई चीज़ कैसे सीखें! मैं जिनसे कह सकता हूं उन्हें कहता भी हूं कि मैं आपको सिखा देता हूं। लेकिन वे सीखना भी नहीं चाहते। तर्क वही कि अब इस उम्र में क्या सीखें? मुझे बहुत अजीब लगता है! कहना तो चाहता हूं लेकिन कह नहीं पाता कि इस उम्र में आप जी भी तो रहे हैं! ऐसा भी नहीं है कि आपने नया कुछ सीखा ही नहीं है, या सीख नहीं सकते हैं! हमारी उम्र के बहुत सारे लोगों ने मोबाइल चलाना सीखा ही है। जब वे जवान थे तब कहां था यह? तब तो वह टेलीफोन था जिसमें ऑपरेटर से नम्बर लगवाना पड़ता था। हमने टीवी चलाना, चैनल बदलना सीखा है, एसी चलाना सीखा है, हम मेट्रो में चढ़ना सीखे हैं। वॉट्सएप का इस्तेमाल वे धड़ल्ले से करते हैं। न जाने कितनी नई चीज़ें हमने सीखी हैं और लगातार सीख रहे हैं। फिर ऐसी चीज़ों को सीखने से हम क्यों कतराते हैं जिनके सीख लेने से हमारी बहुत सारी समस्याओं का निवारण हो जाएगा! बहुत बार हम अजीब किस्म के बहाने भी करते हैं। एक हम उम्र मित्र बता रहे थे कि वे एटीएम कार्ड का उपयोग नहीं करते हैं। हर माह बैंक जाकर लाइन में खड़े रहकर पैसे लाते हैं! कारण पूछने पर बताया कि अगर कोई एटीएम कार्ड का दुरुपयोग कर ले तो? अब इसका क्या जवाब दे कोई? आप बैंक से रुपये लेकर आ रहे हैं, कोई छीन ले तो? कोई टक्कर मार देगा, इस भय से आप सड़क पर चलना बंद तो नहीं कर देते है? तकनीक को लेकर भी लोग इसी तरह के अनेक भय सामने लाते हैं। बेशक तकनीक के साथ बहुत सारे ख़तरे जुड़े हैं। शातिर लोग हमारे अज्ञान या असावधानी या दोनों का ग़लत फायदा उठाकर हमें नुकसान भी पहुंचाते हैं। लेकिन ख़तरे तो जीवन में हर जगह हैं! उनसे डर कर हम जीना तो नहीं छोड़ देते हैं! कोशिश करते हैं कि ख़तरों से बच कर निकल जाएं!

यह बहुत अच्छी बात है कि हम तमाम तरह की चुनौतियों से जूझते हुए, टकराते हुए जी रहे हैं। हमारे मां-बाप जिस उम्र में तस्वीरों में बच रहे थे, उस उम्र को हम कभी का पार कर चुके हैं और ठाठ से जी रहे हैं। हमारा यह ठाठ बना रहे, हमारा जीवन सुगमतापूर्वक चलता रहे, अपनी समस्याओं को हम ख़ुद हल करते रहें और जीवन की परेशानियों के हल तलाश करके अपनी जीवन यात्रा को सुगम बनाते रहें, इसके लिए प्रयत्न हमीं को करने होंगे। हमारे पास दो ही विकल्प हैं – या तो परेशानियों का रोना रोते रहें, या उन्हें हल करने के प्रयत्न करते रहें! चुनाव हम को ही करना है!

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

आधार पहचान के लाभ, कठिनाइयां और कमियां

महावीर सिंह

2009 में भारत सरकार ने आधार योजना के क्रियान्वयन के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (ऑथोरिटी)) यूआईडीएआई (UIDAI) की स्थापना की। नंदन निलेकणि को इसका पहला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इन्हीं के नेतृत्व में 12-अंकीय अद्वितीय पहचान संख्या की अवधारणा विकसित हुई।

कानूनी स्थिति:– संसदीय की वित्त स्थायी समिति (Standing Committee on Finance) की 2011-12 की रिपोर्ट में समिति ने आधार को तत्काल कानूनी समर्थन प्रदान करने की सिफारिश। इस से संबंधित 2010 का विधेयक संसद में पारित नहीं हुआ था। आधार का मुख्य लक्ष्य नागरिकों की अद्वितीय पहचान सुनिश्चित करना था। समिति ने इसे 'अनिश्चित और महंगा' बताया।

संसदीय समिति की रिपोर्ट में इसकी प्रमुख आलोचनाएँ भी बताई गई:– बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट और आईरिस स्कैन) पर आधारित प्रणाली को "अप्रमाणित और अविश्वसनीय" कहा गया। बायोमेट्रिक स्टैंडर्ड्स कमेंटी ने फिंगरप्रिंट संग्रह में उच्च त्रुटि दर (error rates) का उल्लेख किया था। प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट स्टडीज से 1.2 अरब लोगों के लिए कम त्रुटि दर की गारंटी नहीं मिली।

समिति ने गोपनीयता, डेटा लीक और दुरुपयोग की चिंता भी उठाई गई थी। यह भी बताया कि इस के उपयोग से सरकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभों से वंचित होने (exclusion errors) की समस्या सामने आई हैं, जैसे बुजुर्गों या श्रमिकों के बायोमेट्रिक डेटा के मिलान में बड़ी संख्या में असफलता को रेखांकित किया था।समिति ने आधार के संभावित लाभों को भी स्वीकार किया था, जैसे सब्सिडी वितरण में पारदर्शिता और डुप्लिकेट नाम हटाना।

इस रिपोर्ट के बाद आधार विधेयक को संशोधित कर 2016 में आधार (लक्षित वितरण) अधिनियम पारित हुआ। सुप्रीम कोर्ट के 2018 के फैसले में भी इस समिति की सिफारिशों, आशंकाओं को रेखांकित किया है। इस फैसले में आधार के कुछ प्रावधानों (जैसे प्राइवेट कंपनियों से लिंकिंग) को असंवैधानिक घोषित किया गया।

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग की स्थायी संसदीय समिति की सातवीं रिपोर्ट (मार्च 2025) में आधार-लिंक्ड डिजिटल पेमेंट्स (AePS) में बढ़ते वित्तीय धोखाधड़ी और डेटा सुरक्षा जोखिमों पर चिंता जताई गई। समिति ने साइबर सुरक्षा मजबूत करने और डेटा संरक्षण उपायों की सिफारिश की।

आगे बढ़ने से पहले यह बताना जरूरी है कि आधार जब इतना जाना पहचाना, उपयोग में आने वाला पहचान का प्रमाण बन चुका है तो इस पर लिखने की क्या आवश्यकता है? पिछले महीने भर से आधार से जुड़ी कई हैरान करने वाली खबरें पढ़ने में आई हैं। जैसे इसका दुरूपयोग कर दूसरे लोगों के बैंक से डेटा चुराकर, उनके खातों से पैसे चोरी करना, सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के लाभ को हड़प लेना। इनेक्टिव बैंक खातों को एक्टिव कर उनमें दूसरों के हक या उनके खातों से चुराए पैसे डाल कर धोखाधडी करना। आधार में गांव मोहल्ले के नाम, स्वयं के नाम और माता-पिता के नामों में त्रुटि से बैंक लेनदेन बाधित होना इत्यादि-इत्यादि। पाठकों की सुविधा के लिए कुछ समाचारों का सारांश दिया जा रहा है ताकि पाठक समस्या की गंभीरता व व्यापकता को समझ सकें:–

1. "सरकारी योजनाओं पर डाका --सिस्टम के भीतर सिस्टम --पोर्टल पर अफसरों, किसानों की फर्जी आइ डी ये"..."पटवारी से लेकर कलेक्टर तक की फर्जी आइडी"......" स्टेट नोडल ऑफिसर के ऑपरेटर व कलेक्ट्रेट कर्मचारी शामिल"।

2. "सरकारी योजनाओं में ठगी – देश भर में 1265 अफसरों के लॉगइन से 4 लाख संदिग्ध खातों में करोड़ों रुपए भेजे".....''1500 से अधिक एसएसओ आइडी, मोबाइल नंबर, ईमेल आइडी हैक किए, किसी विभाग के पोर्टल में ओटीपी शेयरिंग सिस्टम की खामी का लाभ उठाकर संदिग्ध बैंक अकाउंट जोड़े -- सुरक्षा योजनाओं की राशियों का अपात्र लाभार्थियों के खाते में हस्तांतरण व निकासी –गुजरात के दो लख, राजस्थान के 55 हजार, आसाम के 40 हजार लोगों के डाटा, आधार का दुरुपयोग --बंद खातों में राशि हस्तांतरण, निकासी"।

आधार योजना के बहुत सारे लाभ है जिन से आम आदमी भी परिचित है जैसे कि सरकारी योजनाओं के नकद लाभ का बिना बिचौलियों के, लाभार्थी के बैंक खाते में भेजना। आधार लिंकिंग की वजह से सामाजिक सुरक्षा, जन कल्याण से जुड़ी सरकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभ जैसे सब्सिडी, पेंशन, छात्रवृत्ति, मनरेगा मजदूरी आदि सीधे बैंक खाते में जाने से भ्रष्टाचार में कमी भी आई है। लेकिन यह भी सही है कि सही की जगह गलत बेनिफिशियरी (लाभार्थी) लोगों के खातों में राशि डालने से सरकारी खजाने को नुकसान हुआ है। इस से कर प्रणाली में पारदर्शिता आई है। आयकर रिटर्न, जीएसटी रजिस्ट्रेशन में इसके अनिवार्य उपयोग और पैन कार्ड और आधार लिंक से कर चोरी रोकने में मदद मिली है।

जन धन खाता-आधार-मोबाइल (JAM) के संयुक्त उपयोग से वित्तीय समावेशन बढ़ा। E KYC se बैंक खाता खोलना आसान हुआ है। जन धन योजना में लाखों खाते आधार से खुले हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग पहुंच बढ़ी। माइक्रो-एटीएम, आधार पे से नकद रहित लेनदेन बढ़ा है। सिम कार्ड, डीटीएच, ब्रॉडबैंड आदि के लिए त्वरित सत्यापन संभव हुआ है। डिजी लॉकर, ई-साइन जैसी सेवाओं में आधार एकीकरण। अस्पताल, पुलिस, यात्रा में त्वरित पहचान, मृत्यु/दुर्घटना में शव की पहचान आसान हुई है।

आधार के उपयोग से पीडीएस (राशन दुकान) में डुप्लिकेट/फर्जी कार्ड हटाए। आयुष्मान भारत, पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं में सटीक पहचान हुई है, यद्यपि शिकायतें भी है और रशिया गलत खातों में डालने से सरकारी खजाने को हानि भी हुई है।

आधार का 12 अंक वाला अद्वितीय नंबर हर नागरिक को एक विश्वसनीय पहचान देता है। जन्म प्रमाण पत्र, पता प्रमाण आदि के बिना भी आधार से पहचान सत्यापन संभव है। किंतु बहुत से गैर नागरिकों, अवैध रूप से देश में आए दूसरे देशों के नागरिकों के भी आधार कार्ड बने हुए है, ऐसे बयान राजनीति से जुड़े लोगों के आते रहते है। अभी बिहार में हुए मतदाता पुनरीक्षण कार्य में यह बड़ा मसला बना था। अब भी कई जिम्मेदार नेताओं द्वारा भाषणों में ऐसी ही बातें बोली जाती हैं। 2010-2018 के बीच 6 करोड़ से अधिक फर्जी आधार रद्द किए गए हैं। आधार योजना के प्रमुख कमियां, कठिनाइयां निम्नलिखित हैं:- बुजुर्ग, मजदूर, बच्चों के फिंगरप्रिंट/आईरिस मैच नहीं होने से बहुत से लोग राशन, पेंशन, मनरेगा में लाभ से हो जाते है। आधार लिखें फेल होने से कुछ जगहों पर भुखमरी से मौतों की घटनाएं रिपोर्ट हुई है। ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट/बिजली न होने पर सत्यापन में कठिनाइयां आती है। POS (माइक्रोएटीम) मशीन के फेल होने से, सर्वर डाउन होने से लेनदेन रुक जाते है जिस से मजदूरों को विशेषतः ग्रामीण क्षेत्रों में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

गोपनीयता का उल्लंघन : बायोमेट्रिक डेटा (फिंगरप्रिंट, आईरिस) का केंद्रीकृत भंडारण होने से डेटा लीक की कई घटनाएं हुई है। 2018 में 1.1 करोड़ आधार डेटा लीक की घटनाएँ हुई है। डेटा बिक्री की खबरें भी आती रहती है। आधार, मेल, मोबाइल हैकिंग से पहचान चोरी का, बैंकिंग धोखाधड़ी, खातों से अवैध धन निकासी की जोखिम बढ़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 के अपने फैसले में गोपनीयता को मौलिक अधिकार माना, लेकिन इसकी पूर्ण सुरक्षा की गारंटी नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने कई प्रावधान असंवैधानिक ठहराए। आधार अधिनियम की धारा 57 (प्राइवेट कंपनियों का उपयोग प्रतिबंधित)को अवैध घोषित किया था। सुप्रीम कोर्ट ने आधार का प्राइवेट उपयोग सीमित किया, लेकिन ग्राउंड लेवल पर उल्लंघन होता है। स्कूल एडमिशन, मोबाइल सिम, बैंक में जबरन आधार मांगा जाता है और बिना आधार वाले नागरिकों का उत्पीड़न होता।

बुजुर्ग, मजदूर, बच्चों के फिंगरप्रिंट/आईरिस मैच नहीं होने से बहुत से लोग राशन, पेंशन, मनरेगा में लाभ से वंचित हो जाते है ।

आधार लिंक फेल होने से कुछ जगहों पर भुखमरी से मौतों की घटनाएं रिपोर्ट हुई है। जिनके पास स्मार्टफोन नहीं वे लाभों से वंचित हैं। अनिवार्यता का दुरुपयोग भी हो रहा है। ट्रांसजेंडर, बेघर, आदिवासीयों का एनरोलमेंट मुश्किल है।

आधार नम्बर, मोबाइल फोन, गैस एजेंसी, बैन खाते ओर अब ड्राइविंग लाइसेंस आदि बहुत से दस्तावेजों की आपसी लिंकिंग से निगरानी राज्य का खतरा भी उत्पन्न होता है (Surveillance Risk) इन सब की ट्रैकिंग से नागरिकों की निजी जिंदगी पर नजर रखी जा सकती है। पुलिस/एजेंसियों द्वारा दुरुपयोग की पूर्ण संभावना रहती है।

आधार योजना के संबंध में कुछ प्रमुख लोगों के विचार ::-- नरेंद्र मोदी ने विपक्ष में रहते हुए आधार योजना को आलोचना का विषय बनाया, लेकिन सत्ता में आने के बाद इसे मजबूती से अपनाया और डिजिटल इंडिया का एक प्रमुख स्तंभ बना दिया। तिरुचिरापल्ली में एक रैली के दौरान मोदी ने आधार को 'जड़ी-बूटी' (जैसे कोई चमत्कारी दवा) कहा और आरोप लगाया कि देश की सभी समस्याओं का समाधान बताकर भ्रम फैलाने और वास्तविक समस्याओं से ध्यान भटकने की राजनीतिक चाल का आरोप लगाया। अप्रैल 2014 में बेंगलुरु की रैली में ळघ्ड्ढ चेयरमैन नंदन नीलेकणी की भी आलोचना की। उन्होंने आशंका व्यक्त की थी कि आधार से सुरक्षा खतरा पैदा हो सकता है। आधार अवैध प्रवासियों को वैधता मिल सकती है। सीमावर्ती राज्यों को खतरे में डाल सकता है।

किंतु गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए मोदी ने आधार को प्रभावी ढंग से लागू किया। आरोप लगे कि गुजरात में कानूनी आवश्यकता से अधिक व्यक्तिगत डेटा (जैसे जन्म तिथि, पता) एकत्र किए गए। देश की सत्ता संभालने के बाद श्री मोदी ने आधार योजना को पुनर्जीवित किया। इसे जन-कल्याण योजनाओं का आधार बनाया। इस से भ्रष्टाचार कम होने और राजकीय धन की, अनुमानत 40 से 50% तक चोरी रुकी है। 2016 में एक ट्वीट में कहा: "आधार को अच्छे शासन और पारदर्शिता का साधन मानना सुखद है। यह सरकारी खजाने में बचत सुनिश्चित करता है और सेवा वितरण को बेहतर बनाता है।"

ड्रेज़ (Jean Drèze) और नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन (Amartya Sen) दोनों प्रमुख अर्थशास्त्री हैं, जो गरीबी उन्मूलन, कल्याण योजनाओं और विकास पर काम करते हैं। वे मानते है कि बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली का उद्देश्य सरकारी सेवाओं, सब्सिडी और कल्याण योजनाओं को पारदर्शी और कुशल बनाना है। जीन ड्रेज़ आधार को एक संभावित उपयोगी उपकरण मानते हैं। आधार राज्य की क्षमता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) जैसे माध्यमों से सब्सिडी सीधे लाभार्थी तक पहुंचा सकता है।

यह भ्रष्टाचार कम कर सकता है किंतु गरीबों को योजनाओं के लाभों से वंचित कर सकता है।

इसके जोखिमों की आलोचना भी की है। इसके कार्यान्वयन में गोपनीयता, ेम्त्ल्ेग्दह और तकनीकी समस्याओं जैसे मुद्दे उठे हैं। झारखंड जैसे राज्यों में उनके अध्ययन से पता चला कि बायोमेट्रिक फेलियर (जैसे उंगलियों के निशान न पढ़ पाना) के कारण लाखों गरीब राशन या मनरेगा जैसी योजनाओं से वंचित हो गए।

2017 में इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली में प्रकाशित जीन ड्रेज के लेख "Aadhaar and Food Security in Jharkhand" में उन्होंने लिखा कि आधार ने "entitlement failures" को बढ़ावा दिया, जहां हक तो है लेकिन पहुंच नहीं। वे कहते हैं कि बिना बैकअप सिस्टम के आधार अनिवार्य बनाना अन्यायपूर्ण है।

ड्रेज़ आधार को वैकल्पिक दस्तावेजों के साथ जोड़ने की वकालत करते हैं ताकि कोई लाभों से बहिष्कृत न हो।

अमर्त्य सेन का मानना है कि तकनीक से राज्य की डिलीवरी क्षमता बढ़ सकती है, जो गरीबी कम करने में मददगार है। वे आधार को "public action" का हिस्सा देखते हैं, जहां भुखमरी जैसी समस्याओं का समाधान पहुंच (access) में है, न कि सिर्फ नीतियों में। किंतु सेन ने हाल ही में, 2025 में बिहार के मतदाता सूची संशोधन पर चिंता जताई कि सख्त दस्तावेजीकरण (जिसमें आधार शामिल है) गरीबों को वोटिंग से वंचित कर सकता है। उन्होंने कहा, "सिस्टम सुधारने के नाम पर गरीबों के अधिकारों को कुचलना गलत है। एक गलती सुधारने के लिए सात नई गलतियां न करें।"

आधार से जुड़ी कुछ समस्याओं के समाधान के लिए कुछ व्यावहारिक और तकनीकी उपाय ::---

यदि बायोमेट्रिक काम नहीं करता तो आधार से जुड़े मोबाइल नंबर पर OTP भेजकर प्रमाणीकरण किया जा सकता है। सुनिश्चित करें कि आपका मोबाइल नंबर आधार से लिंक है। बैंक में, बायोमेंट्री के विकल्प के रूप में आधार कार्ड का QR कोड स्कैन करके पहचान सत्यापित की जा सकती है। इञ्ए, पेंशन जैसी सरकारी योजनाओं।छ्ञ में मैनुअल सत्यापन की अनुमति है, जहाँ आधार नंबर और अन्य (जैसे वोटर ID) से सत्यापन हो सकता है।

फिंगरप्रिंट स्कैनर, अंगुलियों की गंदगी से भी बायोमेट्रिक स्कैनिंग असफलता हो सकती है जिसे ठीक कराया जा सकता है। कई बार सर्वर डाउन होने से बॉयोमेट्रिक सत्यापन फेल होता है।

AePS के लिए: आधार इनेबल्ड पेमेंट सिस्टम (AePS) में बार-बार असफलता होने पर बैंक से संपर्क करें और वैकल्पिक लेन-देन विधि (जैसे UPI) का उपयोग करें।

बुजुर्गों और मजदूरों के लिए: जिनके फिंगरप्रिंट घिस गए हैं, उनके लिए आधार सेंटर पर उच्च गुणवत्ता वाले स्कैनर या आईरिस स्कैन का उपयोग किया जा सकता है। UIDAI ने 2025 में कुछ क्षेत्रों में मोबाइल वैन शुरू की हैं, जो घर-घर जाकर अपडेट करती हैं।

JeÛeg&Deue ID (VID): 16 अंकों की वर्चुअल ID का उपयोग करें, जो आपके आधार नंबर को छिपाकर प्रमाणीकरण की अनुमति देता है। mAadhaar ऐप या UIDAI वेबसाइट पर "Virtual ID Generation" विकल्प से VID बनाएँ।

UIDAI ने 2023 से फेस ऑथेंटिकेशन शुरू किया है, जो कुछ सेवाओं (जैसे AePS = आधार एनेबल्ड पेमेंट सिस्टम, PDS) में उपलब्ध है। यह बुजुर्गों और खराब बॉयोमेट्रिक्स वाले लोगों के लिए उपयोगी है।

1947 हेल्पलाइन पर संपर्क कर के अथवा आधार सेंटर पर जाकर समस्याओं का समाधान कराया जा सकता है।

2025 के नियमों के अनुसार हर 10 साल में बॉयोमेट्रिक्स और डेमोग्राफिक डेटा अपडेट कराने होंगे, पुराने आधार अप्रभावी होंगे।

AePS (आधार एनेबल्ड पेमेंट सिस्टम) से लेन-देन के दौरान दुकानदारों को आधार नंबर न दें; केवल "कोड या VID का उपयोग करें।

mAadhaar ऐप डाउनलोड करें और डिजिटल आधार कार्ड का उपयोग करें, जो कई जगह स्वीकार्य है।

ओर अंत में सो बात की एक बात, यदि डिजिटल, साइबर धोखाधड़ी से बचना है तो इस गोल्डन रूल का सदैव पालन करें:–अपना आधार नम्बर, मोबाइल फोन नंबर, बैंक खाता संख्या और कोई भी दस्तावेज जो आधार, मोबाइल फोन से जुड़ा हो उसका नंबर भूल कर भी किसी अपरिचित को नहीं दे। किसी अपरिचित, संदिग्ध लिंक्स को लाइक, शेयर, क्लिक कभी नहीं करे। शर्म की आवश्यकता नहीं, संशय की स्थिति में जानकार से या संबंधित दफ्तर से संपर्क करें जानकारी प्राप्त कर लें।

उसके बाद भी कोई गारंटी नहीं इस प्रकार के अपराध न हों क्योंकि हर व्यक्ति के डेटा का इतना केंद्रीकरण हो गया है कि किसी दफ्तर से किसी भी लेवल से किसी भी कर्मचारी, अधिकारी द्वारा थोड़ी सी गफलत का बेजा फायदा इस प्रकार के शातिर अपराधिक मानसिकता के लोग अपराध करने से नहीं चुकेंगे ।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

'भारत की आत्मा उसकी जनजातियों में बसती है'

■ **प्रदेश में भगवान बिरसा की 150वीं जयंती पर जनजाति वीरता के अमर स्वर गूंज रहे हैं**

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस सच्चाई को गहराई से समझा कि भारत की आत्मा उसकी जनजातियों में बसती है। सरकार विरासत भी, विकास भी के सिद्धांत पर काम कर रही है ताकि जनजातीय संस्कृति को संरक्षित रखते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जा सके।

प्रतापगढ़ के जनजातीय क्षेत्र की ग्राम पंचायत पाल, पीपलखूंट की ओर जाते रास्ते पर जब कदम बढ़े, तो रास्ते के साथ-साथ विचार भी गहराते गए। नेटवर्क धीरे धीरे गायब हो रहा था पर प्रकृति से जुड़ाव उतना ही गहरा होता जा रहा था। जनजाति क्षेत्र में काम करते हुए जब-जब दूरस्थ इलाकों में जाना पड़ा, जैसे पाल पंचायत के इन गांवों में, तब समझ आया कि असली भारत अभी भी यहां बसता है। यहां के लोग कम साधनों में भी संस्कारों, संबंधों और संतोष में समृद्ध हैं। जब यहां बैठकर लोगों से बातें हुईं, तो मन में एक ही विचार बार-बार आया अगर हम यह भूल जाएँ कि हम कौन थे, तो हम यह भी खो देंगे कि हम क्या बनना चाहते हैं।

हमारी सभ्यता, हमारे पूर्वज, हमारी पहचान यही भारत की असली ताकत हैं। यही वे लोग हैं जिन्होंने जंगल, जल और ज़मीन के साथ जीना सीखा, प्रकृति को पूजा और सामूहिकता को संस्कृति बनाया। उनके योगदान को याद रखना इसलिए ज़रूरी है, क्योंकि यही हमें हमारी जड़ों से जोड़ता है और यही मूल्य विकसित राजस्थान 2047 के सपने को साकार करने का आधार बनेंगे।

भगवान बिरसा मुंडा ने जल, जंगल, ज़मीन की रक्षा के लिए जो आवाज़ उठाई, वह सिर्फ विद्रोह नहीं, आत्म सम्मान की आवाज थी। टंट्या भील, गोविंद गुरु और काली बाई जैसे योद्धाओं ने इस मिट्टी को अपने लहू से सींचा, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ अपनी पहचान न भूलें।

आज प्रदेश में भगवान बिरसा की 150वीं जयंती के अवसर पर जनजाति वीरता के अमर स्वर गूंज रहे हैं। इस अवसर पर लोग अपनी जड़ों से जुड़े रहें, अपनी संस्कृति को सहेजें और विकास की उस राह पर आगे बढ़ें जहाँ आधुनिकता और विरासत दोनों साथ हों। क्योंकि भारत की आत्मा उसकी संस्कृति और विविधता में बसती है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 10 नवम्बर, 2025

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, पुनर्वसु नक्षत्र सायं 6:48 तक, साध्य योग दिन 11:05 तक, गर करण दिन 1:02 तक, चन्द्रमा आज दिन 1:03 से कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज कुमार योग सूर्योदय से सायं 6:48 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सायं 6:48 से सूर्योदय तक रहेगा। रवियोग सायं 6:48 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:04 तक, शुभ 9:29 से 10:50 तक, चर 1:32 से 2:53 तक, लाभ-अमृत 2:53 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:47, सूर्यास्त 5:35 तक

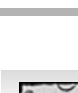

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

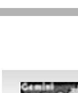

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

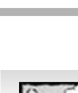

कर्क
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

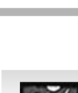

सिंह
आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

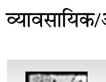

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

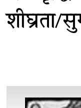

वृश्चिक
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों के लिए दिन ठीक नहीं है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

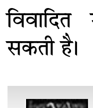

धनु
घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। आपसी सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

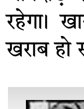

मकर
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

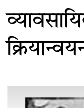

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

मीन
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 9 प्रभात उदयपुर, सोमवार, 10 नवम्बर, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

असमानता, भेदभाव व अस्पृश्यता समाप्त होने तक आरक्षण रहे- भागवत

संघ की 100 वर्ष की यात्रा पर मोहन भागवत ने बैंगलुरु में व्याख्यान दिया

■ **राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि धर्म परिवर्तन को बलपूर्वक या कानूनी उपायों से नहीं, बल्कि अपनी परम्परा के प्रति अपनेपन और वर्ग की भावना पैदा करके हतोत्साहित किया जा सकता है।**

बेंगलुरु, 09 नवंबर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को इस बात पर ज़ोर दिया कि शिक्षा में आरक्षण तब तक जारी रहना चाहिए जब तक सच्ची सामाजिक समानता हासिल न हो जाए।

भागवत ने संघ की 100 वर्ष की यात्रा पर व्याख्यान शृंखला में कहा कि आरक्षण तब तक जारी रहना चाहिए जब तक "असमानता, भेदभाव और अस्पृश्यता पूरी तरह खत्म नहीं हो जाये । एक बार जब समाज के सभी वर्गों को वास्तव में समान अवसर मिलने लगेंगे, तो योग्यता स्वाभाविक रूप से फलेगी-फूलेगी। आरक्षण और योग्यता एक-दूसरे के विपरीत नहीं हैं, बल्कि ये निष्पक्षता और संतुलन सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करते हैं।"

उन्होंने कहा कि प्रतिभा समाज के सभी वर्गों में मौजूद है, जिसमें पिछड़े वर्ग और अन्य हाशिए पर पड़े समुदाय भी शामिल हैं, और यह मानना गलत है कि योग्यता केवल आरक्षण प्रणाली के बाहर ही है।

भागवत ने अवसर की समानता के मुद्दे पर बोलते हुए, कहा, "हज़ारों सालों से, समाज के वंचित वर्ग समान स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में असमर्थ रहे हैं। हमें सभी समुदायों को अवसर, प्रेम और सम्मान के मामले में समान स्तर पर लाना होगा। तभी योग्यता का निष्पक्ष रूप से संरक्षण हो सकता है।"

उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि गुप्त और प्रत्यक्ष अस्पृश्यता अभी भी बनी हुई है और कई सामाजिक बाधाएं अभी भी मौजूद हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि आरक्षण को समय से पहले समाप्त करने से उन्हीं लोगों को नुकसान होगा जिन्हें अभी भी सहायता की आवश्यकता है।

भागवत ने कहा कि कुछ प्रगति हुई है जो एक सकारात्मक बदलाव है। पिछड़ा वर्ग के कुछ समुदाय अब "दाता" के रूप में काम करने और योग्य लोगों का समर्थन करने में आत्मविश्वास महसूस कर रहे हैं।

जबरन धर्म परिवर्तन पर, भागवत ने कहा कि धर्म परिवर्तन को रोकने की कुंजी प्रेम, सम्मान और सेवा के माध्यम से सामुदायिक पहचान को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा, "धर्म परिवर्तन को बलपूर्वक या कानूनी उपायों से नहीं, बल्कि अपनी परंपरा के प्रति अपनेपन और गर्व की भावना पैदा करके हतोत्साहित किया जा सकता है। जब लोग अपने समाज में सम्मान, देखभाल और अवसरों का अनुभव करते हैं, तो धर्म परिवर्तन का आकर्षण स्वाभाविक रूप से कम हो जाता है।"

भागवत ने भाषा, जाति और धर्म

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंडमान में रविवार को भूकंप के झटके आए

नई दिल्ली, 09 नवंबर। भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में रविवार दोपहर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.4 मापी गई। इसका केंद्र अंडमान सागर में 90 किलोमीटर की गहराई (अक्षांश 12.49 डिग्री उत्तर, देशांतर 93.83 डिग्री पूर्व) पर स्थित था।

भूकंप आने पर लोग घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, इस भूकंप की वजह से अभी तक किसी भी तरह के

■ **भूकंप की तीव्रता 5.4 थी। अभी तक जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है।**

जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। ज्ञातव्य है कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह दुनिया के सबसे अधिक भूकंपीय रूप से सक्रिय इलाके में से एक है और इसे ज़ोन वी भूकंपीय क्षेत्र में वर्गीकृत किया गया है।

दूसरी तरफ पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हरियाणा से बिहार छठ के दौरान क्यों नहीं चलाई विशेष रेलें- सिब्बल

कपिल सिब्बल ने मतदान से पहले विशेष रेल चलाये जाने पर चुनाव आयोग से जवाब माँगा

■ **पूर्व केन्द्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने कहा कि 3 नवंबर को 6 हजार लोगों को लेकर चार ट्रेन हरियाणा से बिहार गई। यात्रा करने वाले लोग असली मतदाता थे या किसी सुनियोजित अभियान का हिस्सा।**

नई दिल्ली, 9 नवंबर। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण से पहले 3 नवंबर को हरियाणा से बिहार के लिए चलाई गई स्पेशल ट्रेनों पर सवाल खड़े किये हैं।

सिब्बल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सवाल किया कि क्या ये ट्रेनें विशेष सेवाओं के रूप में चलाई गईं? यदि हाँ, तो इन्हें हरियाणा से अभी क्यों चलाया गया, छठ के दौरान क्यों नहीं चलाया गया ?

पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैं यहाँ पर एक बात पर प्रकाश डालने आया हूँ कि क्या चुनाव आयोग कोई कार्रवाई कर रहा है या भाजपा के सहयोगी के रूप में काम कर रहा है, जैसा कि कई लोग आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा कि 3 नवंबर को लगभग 6 हज़ार लोगों को लेकर चार ट्रेनें हरियाणा से बिहार गईं, पहली दो करनाल से पानीपत होते हुए बरौनी और अगली दो गुरुग्राम से पटना होते हुए भागलपुर।

सिब्बल ने सवाल उठाया कि ये लोग यात्रा क्यों कर रहे थे? उन्होंने कहा या तो यात्रा कर रहे लोग बिहार के असली मतदाता थे या किसी सुनियोजित अभियान का हिस्सा थे। उन्होंने कहा, मैं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से पूछता हूँ क्या ये ट्रेनें विशेष सेवाओं के रूप में चलाई गईं? उन्होंने फिर सवाल किया, यदि हाँ, तो इन्हें हरियाणा से अभी क्यों चलाया गया, छठ के दौरान क्यों नहीं चलाया गया ?

सिब्बल ने सवाल उठाया कि क्या हरियाणा के इन असली मतदाताओं को विशेष ट्रेनों की ज़रूरत थी या उन्हें ख़ास तौर पर बिहार में वोट देने के लिए भेजा गया था? उन्होंने चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए कहा मुझे मालूम है चुनाव आयोग इस मसले पर कुछ नहीं करेगा क्योंकि चुनाव आयोग भाजपा से मिला हुआ है।

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने हरियाणा से बिहार के लिए चलाई गई स्पेशल ट्रेन के टाइमिंग पर सवाल उठाया है। उन्होंने संदेह जताया है कि बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान करने के लिए स्पेशल ट्रेन के जरिए लोगों को हरियाणा से बिहार भेजा गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तराखंड में 8,260 करोड़ रूपए की योजनाओं का शिलान्यास किया

उत्तराखंड राज्य स्थापना के रजत जयन्ती समारोह में प्रधानमंत्री ने राज्य के बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी

■ **नरेन्द्र मोदी ने जिन परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया, वे पेयजल, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास क्षेत्रों से संबंधित हैं।**

देहरादून, 09 नवंबर। उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती समारोह के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देहरादून के एफआरआई मैदान में आयोजित भव्य कार्यक्रम में शामिल हुए। इस ऐतिहासिक आयोजन में पीएम मोदी ने राज्य को 8000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी, जिससे प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने विभिन्न प्रदर्शनियों का भी अवलोकन किया, जिसमें उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन, और औद्योगिक संभावनाओं को दर्शाया गया था।

पीएएम मोदी ने गढ़ वाली बोली में संबोधन शुरू किया। पीएम ने कहा कि मैं आप सबको उत्तराखंड की रजत जयंती पर बहुत-बहुत बधाई देता हूं। इस अवसर पर उत्तराखंड के उन बलिदानियों को भी श्रद्धांजलि देता हूं, जिन्होंने आंदोलन के दौरान अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। मैं उस समय के सभी आंदोलनकारियों का भी वंदन और अभिनंदन करता हूं। आज का दिन गर्व का है। जिन्हें उत्तराखंड से प्यार है, जिन्हें उत्तराखंड की देवभूमि से लगाव है, उनका मन आज प्रफुल्लित है। पीएम ने कहा कि 25 साल पहले उत्तराखंड नया नया बना था, तब साधन कम थे, बजट कम था, लेकिन आज तस्वीर बदल गयी है। राज्य ने 25 वर्षों में हर सेक्टर में विकास किया है। उत्तराखंड राज्य गठन के समय राज्य का 4 हजार करोड़ का बजट था, आज 1 लाख करोड़ हो गया है।

पीएम मोदी ने जिन परियोजनाएं का शिलान्यास और लोकार्पण किया है उनमें पेयजल, सिंचाई, तकनीकी शिक्षा, ऊर्जा, शहरी विकास, खेल और कौशल विकास सहित कई प्रमुख क्षेत्रों से संबंधित परियोजनाएं हैं। इसके साथ ही प्रधानमंत्री दो महत्वपूर्ण पेयजल परियोजनाओं देहरादून में सौंग बांध पेयजल परियोजना और नैनीताल में जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना का शिलान्यास किया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार मतदान से पहले भारत-नेपाल सीमा सील

मधुबनी, 09 नवंबर। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होना है, जिसके पहले चुनावी शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये भारत- नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा को रविवार से पूरी तरह सील कर दिया गया है।

यह कदम किसी भी अवैध गतिविधि, बाहरी हस्तक्षेप या अप्रत्याशित घटना को रोकने के उद्देश्य

■ **सीमा सुरक्षा बल तथा पुलिस को चुनावी अवधि में सख्त निगरानी करने के निर्देश दिए।**

से उठाया गया है। सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 48वीं बटालियन, जयनगर के अंतर्गत विभिन्न सीमा चौकियों पर तैनात जवानों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने के सख्त निर्देश दिये गये हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार चुनाव के दूसरे चरण में प्रचार समाप्त हुआ

विधानसभा की 122 सीटों में भाजपा के 53, जदयू के 44, राजद के 71 व कांग्रेस के 36 प्रत्याशी मैदान में

■ **इस चरण में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन अभियान, प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, जे.पी. नड्डा, शिवराज सिंह, नीतीश कुमार व योगी आदित्यनाथ के हाथ में था। दूसरी ओर महागठबंधन की ओर से प्रचार करने वालों में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, खड़गे, तेजस्वी यादव, मुकेश सहनी प्रमुख थे।**

पटना, 09 नवंबर। बिहार में 122 विधानसभा सीटों पर दूसरे और अंतिम चरण में 11 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए आज शाम प्रचार का शोर थम गया और अब प्रत्याशी जनसम्पर्क के जरिये वोट जुटाने में लग गये हैं।

दूसरे और अंतिम चरण के चुनाव में राष्ट्रीय जनतंत्रिक गठबंधन (राजग) से जिन दिग्गज नेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है, उनमें पूर्व उप मुख्यमंत्री रेणु देवी, पूर्व उप मुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, बिजेन्द्र प्रसाद यादव,डा. प्रेम कुमार, नीरज कुमार सिंह, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा की पत्नी स्नेह लता, अनिल कुमार, हिदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के अध्यक्ष जीतन राम मांझी की बहू दीपा कुमारी और समधन ज्योति देवी सहित अन्य शामिल हैं।

इसी तरह महागठबंधन से पूर्व विधान सभा अध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री जय प्रकाश नारायण यादव, पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा, बिहार विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुसलिमीन (एआईएमआईएम) के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक अख्तरुल ईमान भी दूसरे दौर के चुनावी अखाड़े में जोर आजमाइश के लिए उतरे हैं।

दूसरे चरण के चुनाव के लिए राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान,जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान, उपेन्द्र कुशवाहा, जीतन राम मांझी,उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, समेत कई दिग्गज नेताओं ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार किया।

वहीं, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस और वामदलों के महागठबंधन के उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार का जिम्मा मुख्य रूप से कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे,नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी और भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा-माले) के राष्ट्रीय महासचिव दीपंकर भट्टाचर्य के कंधे पर था। दूसरे चरण के चुनाव में राजग के घटक भाजपा ने 53, जदयू ने 44, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने 15,राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) ने 04 प्रत्याशी और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) ने छह प्रत्याशी अखाड़े में उतारे हैं। वहीं महागठबंधन के घटक राजद ने 71, कांग्रेस ने 36, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) ने आठ,भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सर्ववादी लेनिनवादी (भाकपा माले) ने 06, भारतीय कम्युनिट पार्टी (भाकपा) ने चार और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने एक उम्मीदवार खड़े किये है। प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज ने 120 उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का मतदान 11 नवंबर को होगा, जिसमें 122 सीटों के लिए मतदान कराया जायेगा। मतगणना 14 नवंबर को होगी। इस विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है।

वोट चोरी रोकना हर नागरिक की जिम्मेदारी- राहुल

किशनगंज, 09 नवंबर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर तीखे आरोप लगाये और कहा कि, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह चुनाव नहीं जीतते, बल्कि वोट चोरी करके जीतते हैं। वोट चोरी रोकना मेरी और देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी है।"

किशनगंज ज़िले के बहादुरगंज विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये कांग्रेस नेता गांधी ने कहा कि 'आज देश में दो विचारधाराओं के बीच संघर्ष

■ **उन्होंने चुनाव सभा में आरोप लगाया कि नीतीश कुमार ने बिहार में तथा नरेन्द्र मोदी ने देश में रोजगार खत्म कर दिया।**

चल रहा है, एक ओर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) है जो देश को बांटने का काम कर रही है, जबकि दूसरी ओर कांग्रेस और महागठबंधन हैं जो देश को जोड़ने की दिशा में काम कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता गांधी ने बिहार में बढ़ ती बेरोजगारी और शैक्षिणक संस्थानों की स्थिति पर राज्य और केंद्र सरकार दोनों को घेरा। उन्होंने कहा कि, "मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में रोजगार खत्म करने का काम किया है। बिहार के युवा दूसरे राज्यों और देशों में काम करने को मजबूर हैं। बिहार के विश्वविद्यालय और कॉलेज या तो बिक रहे हैं या बंद हो रहे हैं।'

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में प्रदूषण के खिलाफ इंडिया गेट पर जनता का विरोध प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पोल्यूशन खतरनाक लेवल पर पहुँच गया है, पर कोई उपाय नही किये गए

■ **पर्यावरणविद भवरीन कंधारी ने कहा कि राजधानी में मैराथन का आयोजन हो रहा है, स्कूलों में स्पोर्ट्स डे मनाया जा रहा है, पर सरकार ने बचाव के लिए कोई सलाह तक जारी नहीं की।**

नयी दिल्ली, 09 नवंबर। दिल्ली में प्रदूषण बढ़ ने और वायु गुणवत्ता का स्तर बेहद खराब स्तर पर पहुंचने के विरोध में रविवार शाम इंडिया गेट के पास सड़कों पर लोगों ने स्वच्छ हवा की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया जिनमें से कई को हिरासत में लिया गया।

विरोध प्रदर्शन के कारण आम जनता को इंडिया गेट परिसर से बाहर निकाल कर खाली करा लिया गया। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में दीपावली के बाद से प्रदूषण का स्तर अधिक होने और हवा जहरीली होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, रविवार सुबह दिल्ली की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में दर्ज की गई, जहां कुल एयर क्वालिटी इंडेक्स 391 रहा। वहीं कई इलाकों में वायु गुणवत्ता खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया था। प्रदर्शन में शामिल लोगों का कहना है कि दिल्ली में पोल्यूशन गंभीर और खतरनाक लेवल पर पहुंच गया हैं, लेकिन ग्रैप के उपाय लागू नहीं किए गए हैं।

दिल्ली में इंडिया गेट पर प्रदर्शन में शामिल पर्यावरणवविद् भवरीन कंधारी ने कहा, हम संबंधित अधिकारियों से मिलना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमने मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा था, लेकिन उन्होंने मिलने से मना कर दिया।

उन्होंने कहा कि राजधानी में मैराथन का आयोजन किया जा रहा है, स्कूलों में स्पोर्ट्स डे मनाया जा रहा है लेकिन इससे बचाव के लिये सरकार न तो कोई सलाह जारी कर रही है और न कोई उपाय कर रही है।

इंडिया गेट पर जुटे प्रदर्शनकारियों का कहना था कि इस प्रदूषण से सबसे अधिक बच्चों और बुजुर्गों को नुकसान हो रहा है। वहां मौजूद लोगों में कई लोगों ने कहा कि उनका कोई छिपा एजेंडा नहीं है। वे सब अभिभावक हैं। विरोध प्रदर्शन करने वालों में बहुत से लोग इनहेलर और नेबुलाइजर पकड़े हुए थे, दवा की पर्ची दिखा रहे थे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि "सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, नई दिल्ली में केवल जंतर मंतर ही अधिकृत प्रदर्शन स्थल है।" वरिष्ठ पुलिस अधिकारी देवेश कुमार महला ने कहा कि इंडिया गेट प्रदर्शन स्थल नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार, जंतर मंतर ही अधिकृत विरोध स्थल है। इसलिए हमने सभी को नियमों का पालन करने की सलाह दी है..."

प्रदर्शन में शामिल कार्यकर्ताओं ने कहा कि सरकार केवल आंकड़ों और योजनाओं की बात करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रही। उनका कहना था कि हर साल दिल्ली की हवा ज़हरीली होती जा रही है और सरकारें एक-दूसरे पर आरोप लगाने के अलावा कुछ नहीं करतीं।

सरकार की ओर से निगरानी और चेतावनी पर्यावरण विभाग ने स्थिति पर नजर रखने के लिए ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैंड) के दूसरे चरण को लागू किया है। निर्माण गतिविधियों पर रोक और डीजल वाहनों की जांच तेज कर दी गई है। वहीं, स्कूलों में आउटडोर गतिविधियों पर भी अस्थायी रोक लगाई गई है।

नोएडा-दिल्ली-गाजियाबाद देश के सबसे वायु प्रदूषित शहरों में टॉप पर हैं। नोएडा पहले नंबर पर, दिल्ली दूसरे और गाजियाबाद तीसरे नंबर पर है। चौथे पर हरियाणा का रोहतक और पांचवे पर बहादुरगढ़ है। गुरुग्राम की हवा भी खराब है, लेकिन रैंकिग के मामले में वो 24वे नंबर पर है। दिल्ली एनसीआर में प्रदूषण से इमरजेंसी जैसे हालात हो गए हैं। आने वाले दिनों में भी बढ़ ती ठंड और पूर्वानुमानों के हिसाब से अभी प्रदूषण के स्तर में कमी के आसार नहीं दिख रहे हैं।

दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम से लेकर पूरे एनसीआर में ग्रैप 3 के तहत अंकुश लगाए जाते हैं। इसमें निर्माण संबंधी गतिविधियां बंद कर दी जाती हैं। ईंट भट्ठे, ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर भी पाबंदी लागू की जाती हैं। पुराने डीजल वाहनों पर रोक लग सकती है। क्लास 5 तक के स्कूलों में ऑफलाइन मोड की जगह ऑनलाइन मोड में पढ़ ाई के निर्देश दिए जा सकते हैं। वर्क फ्रॉम होम की नीति भी लागू की जा सकती है।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को घुसपैठियों के वोट नहीं चाहिए- अमित शाह

सासाराम, 09 नवंबर। केन्द्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमला करते हुये रविवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को घुसपैठियों का वोट नहीं चाहिए, राजग युवाओं तथा जीविका दीदियों के वोट से सरकार बनायेगी।

शाह ने रोहतास जिले में राजग प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित रैली को संबोधित करते हुये कहा कि राजद नेता

■ **उन्होंने चुनाव रैली में कहा कि राजग, युवाओं और जीविका दीदियों के वोट से सरकार बनायेगी।**

तेजस्वी यादव और राहुल गांधी ने घुसपैठियों को वोट बैंक बनाया है। ये दोनों नेता घुसपैठिया कॉरिडोर बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले राहुल और तेजस्वी ने एक यात्रा निकाली थी। ये यात्रा राहुल-तेजस्वी ने घुसपैठियों को बचाने के लिए निकाली थी। उन्होंने कहा कि हमारे देश में घुसपैठिए, हमारे युवाओं की नौकरियां छीन रहे हैं, गरीबों के हिस्से के राशन में अपना हिस्सा ले रहे हैं और साथ ही देश की सुरक्षा के लिए भी खतरा बन रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी राहुल और तेजस्वी जो करना चाहें, करने दें, वह आज सासाराम की धरती से यह कहकर जाते हैं कि राजग सरकार बिहार और देश से एक-एक घुसपैठिए को निकालेगी। उन्होंने कहा कि राजग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शाहपुरा के बोरड़ा गांव में कोयला माफिया ने अस्सी बीघा जंगल को बर्बाद किया

सूचना पर पहुंचे फॉरेस्टर विश्राम मीणा पर कोयला माफिया ने जेसीबी चढ़ाकर कुचलने की कोशिश की

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान के जोधपुर में खेजडली गांव में पेड़ों को बचाने के लिए आंदोलन हुए। लोगों ने अपनी जान तक गवां दी। वहीं दूसरी ओर राजस्थान की औद्योगिक नगरी भीलवाड़ा में बबूल को बचाने के लिए पूरा गांव आंदोलन में जुट गया है, लेकिन शाहपुरा के बोरड़ा गांव में 700 बीघा जंगल में से करीब 80 बीघा जंगल को कोयला माफिया ने रातों-रात बर्बाद कर दिया। राजनीतिक संरक्षण और वन विभाग की मिलीभगत के चलते कोयला माफिया के हौसले बुलंद हो रखे हैं।

ग्रामीणों का यहां तक आरोप है कि क्षेत्र के नेताओं और विभाग के कुछ अधिकारियों के बीच डेढ़ करोड़ रूपये तक की बंदरबांट हुई है। इसका ही नतीजा है कि बिना टेंडर किए रातों-रात एक दर्जन से ज्यादा जेसीबी मशीनों को जंगल में ले जाकर 80 बीघा जंगल को साफ कर दिया गया। इस जंगल की लकड़ियों को माफिया कोयले की भट्टियों में झोंक भी देता लेकिन ग्रामीणों को इसकी भनक लग गई। इसकी सूचना उन्होंने फॉरेस्टर विश्राम मीणा को सूचना दी। मीणा अपने गार्ड के साथ जंगल में पहुंच गए, लेकिन कोयला माफिया उन पर ही जेसीबी चढ़ा कर कुचलने की कोशिश की। जंगल को बचाने और माफिया को पकड़ने फॉरेस्टर विश्राम मीणा और ग्रामीणों ने रेंजर प्रभु लाल को कई फोन किए उसके बावजूद भी रेंजर प्रभु लाल ने पहले तो घटनाक्रम से अनभिज्ञता जाहिर कर दी लेकिन जब उसे लगा कि ग्रामीण बड़ी संख्या मौके पर जमा है और माफियाओं को घेरने की कोशिश कर रहे हैं तब उसने उन्हें शांत करने के लिए झूठे ही टेंडर होने की बोल दिया। साथ ही कहा कि इसके दस्तावेज सरकारी पोर्टल से डाउनलोड कर सकते हैं, लेकिन जब ग्रामीणों ने कहा कि टेंडर अगर हो रखा है तो 80 बीघा जमीन जंगल बर्बाद करने वाले माफिया जेसीबी लेकर भाग क्यों रहा है और आप मौके पर जाब्ते क्यों नहीं पहुंच रहे हो तो रेंजर प्रभू लाल से कुछ बोला नहीं गया।

बोरड़ा गांव में कोयला माफिया ने पेड़ों को काट दिया।

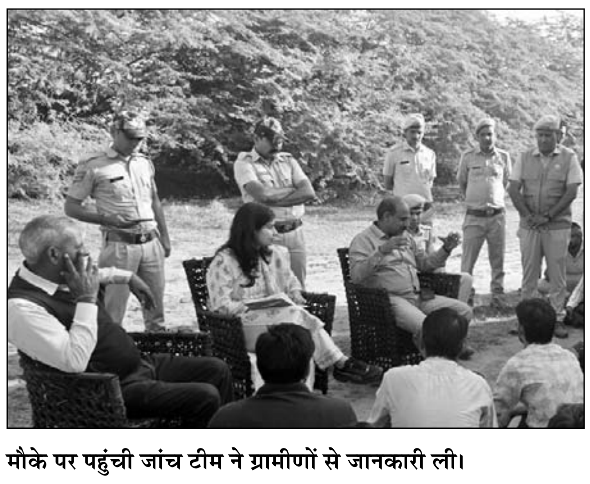

मौके पर पहुंची जांच टीम ने ग्रामीणों से जानकारी ली।

- अपनी जान पर खेलकर फॉरेस्टर मीणा और ग्रामीणों ने कोयला माफिया को लकड़िया नहीं ले जाने दी, लेकिन वे फरार होने में कामयाब रहे
- बोरडा गांव के लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग के जयपुर मुख्यालय पर की, तब जाकर जांच कमेटी का गठन कर बोरड़ा गांव के जंगल में भेजा
- बिना टेंडर किए कोयला माफिया ने रातों-रात एक दर्जन से ज्यादा जेसीबी मशीनों से जंगल को साफ किया

फॉरेस्टर और ग्रामीणों ने जंगल की लकड़ी नहीं ले जाने दी :- कोयला माफिया के आंतक के सामने फॉरेस्टर मीणा और ग्रामीणों ने झुकने से इनकार कर दिया। अपनी जान पर खेलकर कोयला माफिया को लकड़िया नहीं ले जाने दी लेकिन वे लग्जरी गाड़ियों को लेकर फरार हो गए। बोरडा गांव के लोग तीन रात और दिन से जंगल में रहकर कटी हुई लकड़ी की निगरानी कर रहे हैं। इसकी सूचना उन्होंने वन विभाग के जयपुर मुख्यालय पर की। तब जाकर मामला उछला और वहां से जांच कमेटी का गठन करके शाहपुरा के बोरड़ा गांव के जंगल में भेजा। डीएफओ अनिल कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में कमेटी 8 नवंबर को गांव में पहुंची। उन्होंने वहां ग्रामीणों के बयान दर्ज किए। 80 बीघा जंगल का मौका निरीक्षण किया। नुकसान का पता लगाने के लिए एक हेक्टेयर जमीन में पेड़ों की संख्या का आकलन करने के लिए विजिलेंस टीम ने इसकी जिम्मेदारी स्थानीय अधिकारी को दी। उसके बाद घटना का पंचनामा बनाया गया। टीम ने ये भी माना कि जंगल में जहां पेड़ों की कटाई की गई उसको लेकर किसी भी तरह का विभाग की ओर से टेंडर जारी नहीं किया गया है। अभी तक जो कटाई हुई वह पूरी तरह से गैर कानूनी है। जिसके खिलाफ विजिलेंस टीम गाहनता से जांच कर रही है। स्थानीय वन विभाग की ओर से दस्तावेज भी मंगाए जा रहे हैं ताकि डिटेल में जांच की जा सके। रेंजर प्रभु लाल की भूमिका के साथ ही एसीएफ मुन्नी चौधरी और डीएफओ गौरव गर्ग की कार्य प्रणाली भी संदिग्ध बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि इस घटनाक्रम के पीछे दोनों ही पार्टियों के नेताओं की मिलीभगत बताई जा रही है। ग्रामीण दबी जुबान में सभी का नाम बता रहे है लेकिन कुछ भी बोलने से डरते है।

80 बीघा जंगल बर्बाद करने वाला कोयला माफिया पीरू मोहम्मद :- बताया जा रहा है कि इस जंगल से 8 किलोमीटर दूर खातनखेड़ी गांव का निवासी पीरू मोहम्मद इस इलाके का कोयला माफिया है। उसने एक दर्जन से अधिक जेसीबी ले जाकर रातों रात 80 बीघा जंगल बर्बाद कर दिया। लकड़िया भी ले जाता लेकिन इसकी सूचना ग्रामीण और फॉरेस्टर विश्राम मीणा को हो गई। एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें पीरू मोहम्मद किसी से फोन पर बात कर रहा है कि ये विश्राम मीणा कौन है। ये हमारे बीच आ रहा है। इसके बाद फोन पर आवाज आती है कि जो भी सब पर जेसीबी चढ़ा दो। फिर वहां जेसीबी लेकर फरार हो जाता है। विश्राम मीणा ने पीरू मोहम्मद के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जिला जेल में कांस्टेबल ने गोली मारकर आत्महत्या की

मृतक कांस्टेबल का फाइल फोटो।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला जेल में अज्ञात कारणों के चलते खुद को गोली मारकर आत्महत्या करने वाले कांस्टेबल का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार शनिवार - रविवार की मध्य रात्रि को ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल रामकिशोर मोडीवाला पिता पोलुराम जाट की गोली लगने से संदिग्ध परिस्थितियों में उसकी मौत हो गई थी। इस घटना का पता तब चला जब ड्यूटी पर रिलीव करने के लिए दूसरा कांस्टेबल वॉच टॉवर के नीचे पहुंचा और उसने कांस्टेबल रामकिशोर को आवाज दी, लेकिन राम किशोर ने कोई जवाब नहीं दिया तो संदेह पर अन्य कांस्टेबल बाबूलाल ने जब टावर पर जाकर देखा तो उसके होश उड़ गए। खून से लथपथ रामकिशोर को देखकर उसने तत्काल उच्च अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया और जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के साथ ही अतिरिक्त जिला पुलिस अधीक्षक पारस जैन और जेल प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम की मदद से पुलिस ने साक्ष्य जुटाकर मृतक के शव को महात्मा गांधी चिकित्सालय की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया और उसके परिजनों को सूचना दी। रविवार की सुबह परिजनों के आने के बाद मृतक के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में सामना आया है कि राइफल ऑटोमेटिक मोड पर थी। इस राइफल से तीन फायर एक साथ होते हैं। घटनास्थल पर भी तीन फायर हुए जिसमें से एक गोली लेफ्ट साइड में से बॉडी में इंटर हुई और बैक साइड से बाहर निकली, जबकि दो राउंड हवा में दो गोलियों के खोल वॉच टॉवर पर मिले, जबकि एक गोली का खोल टावर के नीचे मिला है। यही नहीं घटना से 3 घंटे पहले कांस्टेबल रामकिशोर ने अपनी फेसबुक आईडी पर एक पोस्ट किया था जिसमें लिखा था कि जिंदगी में जब भी अवसर मिले तो उसका पूरा आनंद लेना चाहिए क्योंकि यह ज्ञात नहीं की कौन सी रात आखिरी हो।

जानकारी के अनुसार कांस्टेबल रामकिशोर अजमेर में किशनगढ़ के पास हरमाड़ा गांव का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि कांस्टेबल रामकिशोर शनिवार को ही छुट्टी से लौटा था और शाम छह से रात दस बजे तक उसका पहरा ड्यूटी थी। उसके चचेरे भाई एयरफोर्स में एयरमैन के पद पर कार्यरत ओमप्रकाश ने कहा कि किसी भी एंगल से यह सुसाइड नहीं है, हम किसी पर आरोप नहीं लगा रहे, लेकिन मौके की परिस्थितियों के आधार पर कहना है कि उसकी मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। मृतक कॉन्स्टेबल रामकिशोर के भाई नानूराम ने कोतवाली थाने में संदिग्ध हालत में मौत की रिपोर्ट दी है, जिसकी पुलिस गहनता से जांच एक रही है।

विवाहित महिला ने लगाई फांसी

हलैना/भरतपुर, (निसं)। गांव नैवाडा में 23 साल की विवाहित का महिला ने आत्महत्या कर ली, जिसका पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव परिवार जनों को सौंप दिया। थाना प्रभारी राम अवतार मीणा ने बताया कि गांव नेवाडा निवासी शिक्षा पत्नी पुष्पेन्द्र मीणा ने अपने मकान मे चुन्नी से फंदा बनाकर छत के कुंदे से बाँध कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतका शिक्षा के परिजनों को सूचित कर दिया। मौके पर रामेश्वरसिंह स.उ.नि. के द्वारा मृतका शिक्षा की लाश को मोर्चरी सीएचसी हलैना में रखवाया।

हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी के बॉयलर में आग लगी, हादसा टला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर के बोरानाडा में हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी के बॉयलर में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी गई, जिसके बाद मौके पर पहुंची चार दमकलों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बासनी फायर अधिकारी प्रशांत सिंह ने बताया कि बोरानाडा इलाके में स्थित एक हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी के बॉयलर में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलने पर बासनी फायर ब्रिगेड विभाग से दो दमकलों को रवाना किया गया। वहीं बोरानाडा स्थित अग्निशमन विभाग से भी दो दमकल मौके पर भेजी गई। उन्होंने बताया कि दमकल विभाग की चार गाड़ियों ने करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बॉयलर में लगी आग पर काबू पाया। गनीमत यह रही कि यह आग बॉयलर के बाहर नहीं फैली, जिससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। अगर आग फैक्टरी में फैल जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। आग बुझाने वाली टीम में बासनी अधिकारी प्रशांत सिंह चौहान, फायर मैन निंबाराम, फायरमैन अंकित ,भविष्य, अजय सिंह, राकेश, रामजीत, हेताराम , संजीव, राजेश, महेंद्र आदि शामिल रहे।

दुकान से हजारों की नगदी चोरी

छबड़ा, (निसं)। स्टेशन रोड स्थित एक मेडिकल स्टोर से लगभग ग्यारह हजार की नगदी चोरी हो गई। पीड़ित ने थाने में परिवाद दिया है। मुरलीधर मालव द्वारा दिये परिवाद में बताया कि दो दिन पूर्व स्टेशन रोड स्थित उसकी धरणीधर मेडिकल स्टोर से वह प्रतिदिन की भांति रात साढ़े दस बजे घर चला गया था। सुबह हरीश झाम्ब द्वारा सूचना देने पर मौके पर पहुंचा तो यहां सभी सामान अस्त-व्यस्त पड़े हुए थे। कैमरा भी टूटा हुआ था। गल्ले का ताला भी टूटा हुआ मिला, जिसमें रखी 11 हजार की नगदी चोर चुरा ले गए।

गैंगस्टर रोहित गोदारा के गुर्गे ने धमकी देकर व्यवसायी से दो करोड़ की फिरौती मांगी

बीकानेर, (निसं)। गैंगस्टर रोहित गोदारा के गुर्गे ने लालगढ़ में गांधी कॉलोनी निवासी व्यवसायी को जान से मारने की धमकी देकर दो करोड़ रुपए की फिरौती मांगी है।

- फिरौती की रकम नहीं देने पर उसे और परिवार को जान से मारने की धमकी दी

गांधी कॉलोनी निवासी व्यवसायी राजकुमार चौधरी क्रेन, टायर के व्यवसायी हैं। गैंगस्टर रोहित गोदारा के गुर्गे राहुल रिणेव ने राजाराम को दो करोड़ रुपए की फिरौती मांगी और नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी है। गैंगस्टर ने 5 नवंबर की शाम को 4.25 बजे विदेशी नंबर से व्हाट्सअप कॉल किया और धमकी दी। उसके बाद 6 नवंबर की रात 8 बजे फोन किया। रिसीव नहीं करने पर व्यवसायी को वॉयस नोट भेजा। फिरौती की रकम नहीं देने पर उसे और परिवार को जान से मारने की धमकी दी।

व्यवसायी ने इसकी रिपोर्ट पुलिस को दी। उसकी रिपोर्ट पर बीछवाल पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक व्यवसायी की सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। उसके घर और आसपास निगरानी बढ़ा दी है।

नशीली गोलियों के साथ एक गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। यहां बांडा कॉलोनी चौकी पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली गोलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 5130 नशीली गोलियों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान सुखप्रीत सिंह पुत्र देवसिंह निवासी 1 बीएसएम अनूपगढ़ के रूप में हुई है। चौकी प्रभारी एएसआई कालू राम मीणा ने बताया कि देर शाम उनकी टीम चक 2 बीएसएम में गश्त कर रही थी। इसी दौरान आम रास्ते पर एक व्यक्ति आता दिखाई दिया, जो पुलिस को देखकर घबरा गया। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसका नाम-पता पूछा। शक होने पर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से प्रतिबंधित प्रीगाबालिन और टेम्पटाडोल की कुल 5130 नशीली गोलियां बरामद हुईं। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

करंट लगने दो भाइयों की मौत

टोंक, (निसं)। पीपलू थाना क्षैत्र के बलखंडिया गांव में दो युवकों की करंट लगने से मौत हो गई। रविवार को खेत पर जाते समय रास्ते में बिजली के टूटे तार पर पैर टच होने से उन्हें करंट लग गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बाद में मौके पर पहुंचे गुस्साये ग्रामीणों व परिजनों ने दोनों शवों को हादसा स्थल पर ही रखकर प्रदर्शन कर किया तथा मृतकों के परिजनों को मुआवजा, आश्रितों को संविदा पर नौकरी और अन्य मांगों पर अड़े रहे। बाद में सूचना पर पहुंचे पीपलू थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने परिजनों व ग्रामीणों से समझाईश की, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों को पूरा करने के बाद ही शव को उठाने के लिए अड़े रहे।

- खेत पर जाते समय रास्ते में बिजली के टूटे तार पर पैर टच होने से करंट लग गया था
- घटनास्थल पर ही गुस्साये ग्रामीणों व परिजनों ने मांगों को लेकर शवों को हादसा स्थल पर रखकर प्रदर्शन किया

इस दौरान ग्रामीणों का कहना है कि बिजली निगम की लापरवाही से बिजली लाइन के तार टूटे पड़े थे। इसी कारण यह हादसा हुआ, जिसके कारण हादसे में मृतकों के आश्रितों को मुआवजा और नौकरी की मांगें पूरी करें। घटना के बाद बिजली निगम कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे और बिजली सप्लाई बंद करवाकर तारों को एक तरफ करवाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे में रामनारायण (35) एवं हरलाल (26) पुत्र मंगला बलाई की मौत हुई है, जो भोपता नाले पर बनी नहर से होकर खेत पर जो रहे थे। वहीं नहर के ऊपर से एग्रीकल्चर की बिजली लाइन के तार टूटे पड़े थे, जिन पर दोनों भाई के पैर टच हो गए और करंट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहां से गुजर रहे किसानों की सूचना के बाद परिजन व थाना पुलिस मौके पर पहुंचे। ग्रामीणो के प्रदर्शन के बाद पीपलू उपखण्ड अधिकारी गणराज बड़गोती, बिजली निगम के एसई के.एल. पटेल, एक्सईएन मोहर सिंह मीणा, पीपलू डीएसपी अरविंद, नायब तहसीलदार प्रभुलाल, पीपलू थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह, झिराना थाना प्रभारी हरिमन पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से समझाइश की।

तालाब में युवक का शव मिला

कोटा, (निसं)। नयापुरा थाना इलाके के किशोर सागर तालाब में रविवार को एक युवक का शव तैरता हुआ मिला, लोगो ने इसकी सूचना पुलिस को दी,सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और मौके पर नगर निगम की गोताखोर टीम को बुलाकर शव को तालाब से बाहर निकाला गया। नयापुरा थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि बाराहद्वारी स्थित किशोर सागर तालाब में युवक का शव तैरने की सूचना मिली, सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। थानाधिकारी ने बताया कि किशोर सागर तालाब में मिले मृतक युवक की शिनाख्त केशवपुरा निवासी गौरव सिंह के रूप में हुई है। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के परिजनों ने बताया कि गौरव की सगाई टुटने से गौरव मानसिक डिप्रेशन में था और दो तीन दिन से लापता था जिसकी तलाश कर रहे थे।प्रथम दृष्टा से सुसाईड का मामला लग रहा है।

ट्रेन में यात्री का छूटा बैग सुरक्षित लौटाया

कोटा, (निसं)। पश्चिम-मध्य रेलवे के कोटा मंडल अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सवाई माधोपुर एवं आउट पोस्ट गंगापुर सिटी के जवानों ने अपनी सतर्कता और जिम्मेदारी का परिचय देते हुए एक यात्री का छूटा हुआ ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग सुरक्षित रूप से उसके मालिक को लौटाया। रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सवाई माधोपुर को सूचना प्राप्त हुई कि गाड़ी संख्या 19019 के कोच संख्या बी-3 की सीट संख्या 72 पर यात्रा कर रहे यात्री का ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग गाड़ी में ही छूट गया है। सूचना मिलते ही प्रधान आरक्षक कालूराम मीणा द्वारा त्वरित कार्रवाई की गई। गाड़ी के गंगापुर सिटी स्टेशन पर पहुंचने पर संबंधित कोच का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान सीट संख्या 71 के नीचे एक ट्रॉली बैग और एक पिट्ठू बैग लावारिस हालत में पाया गया। उक्त बैग को रेलवे सुरक्षा बल कार्यालय, गंगापुर सिटी में सुरक्षित जमा किया गया। बाद में यात्री नीरज वाल्मीकि, निवासी गोंडा (उत्तर प्रदेश) कार्यालय में उपस्थित हुआ तथा अपने आधार कार्ड और रेल टिकट प्रस्तुत कर उक्त बैग को अपना बताया। यात्री ने बताया कि बैग में लैपटॉप, घरेलू उपयोग की वस्तुएं और पुराने कपड़े थे, जिनकी अनुमानित कीमत 52,000 रुपये थी। गवाहों की उपस्थिति में संपूर्ण जांच एवं पुष्टि के बाद रेलवे सुरक्षा बल द्वारा यात्री को उसका बैग सही सलामत लौटा दिया।

- बैग में रखे सामान की किमत करीब 52 हजार रुपये थी

अज्ञात महिला का शव मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मंगरोप थाना क्षेत्र के मंडपिया खेल मैदान पर रविवार सुबह एक अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला के शरीर पर चोट के गहरे निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। शव के पास एक मोबाइल फोन, टिफिन और एक फैक्टरी के रेस्टोरेंट का कूपन भी मिला है, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि मृतक महिला संभवतः फैक्टरी मजदूर हो सकती है। मंगरोप थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस अधिकारी शव की शिनाख्त और हत्या के कारणों की जांच में जुटे हुए हैं। इस संबंध में एसपी धर्मेंद्र सिंह यादव भी मौके पर पहुंचे और मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। पुलिस अब सभी सुराग जुटाकर शिनाख्त और हत्यारोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

मां-बेटी के ब्लाइंड मर्डर का खुलासा, आरोपियों को मुकुंदरा के जंगलों से किया गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम थाना इलाके के रोजड़ी में मां और उसकी मासूम आठ वर्षीय बेटी की गला दबाकर की गई हत्या के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने हत्या के दो आरोपियों को मुकंदरा के जंगल से गिरफ्तार किया है। मामले में सामने आया कि 60 हजार रूपयों के लेन-देन को लेकर मुख्य आरोपी ने दो साथियों के साथ मिलकर मां-बेटी की थी गला दबाकर हत्या की थी।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि आरकेपुरम में मां-बेटी की निर्मम हत्या की सूचना एवं घटना की संवेदनशीलता को देखते हुये घटनास्थल पर पहुंचे तथा एमओबी एफएसएल, डॉग स्काव्ड की टीमें घटनास्थल पर पहुँची एवं गहन जांच कर साक्ष्य जुटाये गये। शहर एसपी ने बताया कि मामले में फरियादी प्रशांत वैष्णव ने रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा था कि उसके जीजाजी भगवान वैष्णव जो कि कोटा के निजी अस्पताल में लैब टेक्निशियन है, 7 नवम्बर की शाम को जब उन्होंने घर आकर देखा तो मेरी बहन ज्योति वैष्णव व मेरी भांजी पलक वैष्णव को अचेत अवस्था में घर में पड़ा हुआ पाया जिनको अस्पताल लेकर गये, जहाँ डॉक्टरों ने उन दोनों को मृत घोषित कर दिया। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया।

आरकेपुरम में मां-बेटी की हत्या के दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

शहर एसपी ने बताया कि मामले में अपराधियों की शीघ्र गिरफतारी हेतु आरकेपुरम थानाधिकारी महेन्द्र मारू एवं अनंतपुरा थानाधिकारी भूपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में अलग-अलग वृत्त स्तर पर 16 पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने मुखबिर व आसूचना संकलन के आधार पर प्रकरण में हत्या करने वाले 2 आरोपी प्रदीप वैष्णव व भरत को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी एवं मृतका पहले से एक-दूसरे को जानते थे। मामले मे एक अन्य फरार मुलजिम राजु उर्फ मामू की तलाश जारी है।

शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी प्रदीप वैष्णव ने बताया कि वह मृतका ज्योति वैष्णव को काफी सालों से जानता है। वह वर्तमान में भी उससे बातचीत करता है एवं कभी कभार कोटा आकर मृतका से मिलता था। कुछ महिने पूर्व उसने मृतका को 60 हजार रूपये उधार दिये थे और जब ज्योति वैष्णव से पैसे वापस मांगे तो ज्योति वैष्णव ने रूपये देने से इंकार कर दिया।

- 60 हजार रूपयों के लेन-देन को लेकर मां-बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी थी

इस बात पर दोनों के बीच में लड़ाई हो गई थी तभी से उसने ठान लिया था कि मैं ज्योती को जान से मार दूंगा, जिस पर आरोपी प्रदीप ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर ज्योति को मारने की साजिश रची। हत्या के एक दिन पूर्व भी मुलजिमान मृतका के घर आये थे, लेकिन मौका नहीं मिलने के कारण हत्या को अंजाम नहीं दे पाये थे तथा कोटा रहकर अगले दिन 7 नवम्बर को दोबारा ज्योति के पति के घर से निकलते ही घर में घुसकर ज्योति को अकेला पाकर रसोई में चुन्नी से गला दबाकर मार रहे थे। तभी ज्योति की बेटी पलक स्कूल से घर के अंदर आ गई जिसने हमें उसकी माँ ज्योती को मारते हुये देख लिया था। पलक के चिल्लाने पर उसका मुंह व गला दबाकर हत्या कर ज्योति के मंगलसूत्र कानों के टॉपस खोलकर व अलमारी में रखे अन्य सामानों को लूटकर फरार हो गये थे।

घायल वृद्धा को शिक्षा मंत्री दिलावर ने अस्पताल पहुंचाया

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने घायल महिला को अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया।

अजमेर, (निसं)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने एक बार फिर अपनी मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। रविवार को अजमेर से नागौर जाते समय रेलवे क्रॉसिंग के पास सड़क दुर्घटना में घायल हुई एक वृद्ध महिला को उन्होंने अपने वाहन से अस्पताल पहुंचाया।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर का काफिला जब पुष्कर मार्ग से गुजर रहा था, तभी सामने से आ रहा मोटरसाइकल पर सवार वृद्धा अचानक गिरकर बेहोश हो गई। यह देखकर दिलावर ने तुरंत गाड़ी रुकवाई, खुद महिला की मदद के लिए दौड़े और अपने वाहन से राजकीय उपचिकित्सा केंद्र पुष्कर पहुंचकर उसे भर्ती कराया। उन्होंने चिकित्सक अभिजीत को निर्देश दिए कि महिला को बेहतर उपचार और सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाये। घायल महिला लाली रावत पत्नी रतनलाल रावत (48) निवासी बड़ी होकरा, थाना पुष्कर बताई गई है, जो अपने पुत्र लक्ष्मण के साथ अजमेर आ रही थी। डॉक्टरों के अनुसार महिला की हालत फिलहाल स्थिर है।

- पुष्कर मार्ग पर बाइक सवार वृद्धा अचानक गिरकर बेहोश हो गई थी

10 लाख रुपये के अवैध डोडा-पोस्त के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

डोडा-पोस्त परिवहन करने में प्रयुक्त पिकअप वाहन जब्त

पावटा, (निसं)। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रागपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई का 113 किलो डोडा-पोस्त बरामद किया है। इस दौरान दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए डोडा-पोस्त की कीमत लगभग 10 लाख रुपये आंकी गई है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा ने प्रेस वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि अवैध गतिविधियों के विरुद्ध जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर राजेंद्र बुरड़क के सुपरविजन एवं पप्रागपुरा थाना प्रभारी कश्मीर सिंह प्रागपुरा के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा थाना जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर नाकाबंदी के दौरान जयपुर से दिल्ली की तरफ जाने वाले वाहनों की चेकिंग के दौरान एक पिकअप को रुकवा कर चेक किया गया तो पिकअप में पीछे

प्रागपुरा थाना पुलिस ने डोडा-पोस्त समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया।

दो बिजली के ट्रांसफॉर्मर रखे हुए थे, जिनको गहनता से चेक किया गया तो उक्त ट्रांसफार्मर के बीच में प्लास्टिक के कट्टे रखे हुए नजर आए, प्लास्टिक के कट्टों को चेक किया गया तो उक्त कट्टों में छिलानुमा पदार्थ भरा हुआ दिखाई दिया। जिस पर पिकअप चालक व खलासी से पदार्थ के बारे में पूछताछ की गई तो आरोपियों से पूछताछ के दौरान संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर मुल्जिम सुखबीर सिंह पुत्र रामसिंह निवासी कमालके पुलिस थाना धर्मकोट जिला मोगा पंजाब, गुरजंट सिंह पुत्र गुरुचरण निवासी पण्डुरी अराया पुलिस थाना धर्मकोट

■ **बिजली के ट्रांसफॉर्मर के बीच में प्लास्टिक के कट्टों में 113 किलो डोडा-पोस्त पकड़ा**

जिला मोगा पंजाब को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गिरफ्तार मुल्जिमों से गहनता से अनुसंधान जारी है। यह पता लगाया जा रहा है कि डोडा-पोस्त कहां से लाई गई थी और इसे कहां सप्लाई किया जाना था। इस अभियान में प्रागपुरा पुलिस थाना के उपनिरीक्षक कश्मीर सिंह, सहायक उपनिरीक्षक सतीश कुमार, सहायक उपनिरीक्षक रामजस, हेडकांस्टेबल सायरमल, कांस्टेबल मनोज, रितेश, भींवाराम, विजेंद्र, मनोज, अनूप सिंह, महिला कांस्टेबल कोमल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नौ माह के मासूम को भोपे ने गर्म सलाखों से दागा

बच्चे की हालत बिगड़ी तो परिजन उसे लेकर एमजी अस्पताल पहुंचे, उपचार जारी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में बीमार मासूम बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ करने का खेल रूकने का नाम ही नहीं ले रहा है। दर्जनों मामले सामने आने के बाद रविवार को एक बार फिर मासूम की जान चली गई। बुखार से तड़प रहे मासूम को अंध विश्वासी परिजन अस्पताल ले जाने की बजाय भोपे के पास ले गए और गर्म सलाखों से बच्चे को दागा तो बच्चा और जोर से रोने लगा। उसकी हालत बिगड़ी तो परिजन उसे लेकर एमजी अस्पताल पहुंचे।

जानकारी के अनुसार सदर थाना क्षेत्र के इरास गांव के निवासी देवा बागरिया के नौ माह के पुत्र गोविंद की तबीयत खराब हो गई। उसे श्वास लेने में दिक्कत आने लगी। इस पर परिजनों ने किसी भोपे के जरिए बच्चे के शरीर पर गर्म सलाखों से डाम लगा दिया। परिजन बताते हैं कि यह परंपरा उनके परिवार में पुराने समय से चली आ रही है। बचपन में यदि वह स्वय भी बीमार होते थे तो उन्हें भी डाम लगाया जाता था, जिससे वह सही हो जाते थे। उसी परंपरा का अनुसरण करते हुए भोपे के जरिए ठीक करने के उद्देश्य से डाम लगा दिया, लेकिन उसे मालूम नहीं था कि ऐसा करने से उसकी हालत और बिगड़ जाएगी।

महात्मा गांधी अस्पताल के पीएमओ डॉ. अरूण गौड़ ने बताया कि बच्चे की हालत क्रिटिकल थी और उसे डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया था। डॉ. गौड़ ने कहा कि डाम लगाने के इस अंधविश्वास के खिलाफ सबको मिलकर प्रयास करने की जरूरत है जिससे कि मासूम अंधविश्वास का शिकार न हों और उन्हें समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके।

मंदबुद्धि नाबालिग ने पिता पर हमला किया

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के अरावली विहार थाना इलाके में एक नाबालिग बेटे ने अपने ही पिता पर हमला कर अपने दांतों से प्राइवेट पार्ट काट दिया, जिसके बाद परिजनों ने घायल पिता को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार दो दिन पहले भी नाबालिग बनिया का बाग स्थित राधाकृष्ण मंदिर में कृष्ण भगवान की मूर्ति उखाड़ ले गया था। जिसका सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया था, जिसको लेकर स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर विरोध किया था, जिसके बाद पुलिस ने बताया था कि नाबालिग की मानसिक स्थिति ठीक नहीं लग रही है। घायल पिता अमित सैनी (36) ने बताया कि पिछले कुछ दिन से बच्चे की मनोदशा ठीक दिखाई नहीं दे रही है। बच्चे के ऊपर भूत प्रेत का साया मंडरा रहा है, इसलिए वो पिछले दो दिन

■ **दो दिन पहले भी नाबालिग एक मंदिर से मूर्ति उखाड़ ले गया था**

से ऐसी हरकतें कर रहा है।

उन्होंने बताया कि शनिवार शाम को अचानक 16 साल के नाबालिग बेटे ने हमला करते हुए उनकी नाक और प्राइवेट पार्ट को दांतों से काट लिया, जिसके बाद उन्होंने गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया है। डॉक्टरों ने बताया कि घायल की स्थिति फिलहाल स्थिर है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

थाना अधिकारी का कहना है कि प्रारंभिक जांच में घटना घरेलू झगड़े और मानसिक असंतुलन से जुड़ी हुई लग रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए बच्चे की काउंसलिंग और मेडिकल जांच कराई जाएगी।

लीलण एक्सप्रेस चार ट्रिप आंशिक रद्द रहेगी

जोधपुर, (कासं)। जयपुर मंडल के समपार फाटक संख्या 235 पर आरसीसी बॉक्स डालने के कार्य हेतु ट्रैफिक ब्लॉक लिया जा रहा है, जिसके कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा।

जोधपुर मंडल डीआरएम अनुराग त्रिपाठी के अनुसार उपरोक्त ब्लॉक की वजह से ट्रेन संख्या 12467 जैसलमेर-जयपुर लीलण एक्सप्रेस सुपरफास्ट 22 व 24 नवंबर तथा 6 व 8 दिसंबर को फुलेरा तक ही चलेगी, जबकि ट्रेन संख्या 12468 जयपुर-जैसलमेर लीलण एक्सप्रेस इन्हीं तिथियों में जयपुर के स्थान पर फुलेरा से चलेगी। जोधपुर मंडल डीआरएम अनुराग त्रिपाठी के अनुसार दोनों रेलसेवाएं जयपुर-फुलेरा खंड के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेंगी। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध है किया है कि यात्रा से पूर्व संबंधित तिथियों में अपनी रेलसेवाओं की नवीनतम स्थिति रेलवे के आधिकारिक माध्यमों से अवश्य जांच लें।

खाटूश्यामजी से लौट रहे परिवार की कार ट्रक से टकराई, पांच घायल

घायलों को भीलवाड़ा जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायला थाना क्षेत्र में रविवार की अल सुबह भीलवाड़ा-अजमेर हाइवे पर खाटूश्यामजी के दर्शन कर लौट रहे राजकोट के एक परिवार की कार आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार राजकोट निवासी अशोक बैरागी (49) अपनी पत्नी दक्षा, बेटे यतेश, बहू रीना, पोते रौनक, उर्विल, पोती मिशा और परिचित सुनील कुमार के साथ खाटूश्याम दर्शन कर राजकोट लौट रहे थे। सुबह करीब छह बजे एनएच 48 पर सरेरी के पास उनकी कार आगे चल रहे एक ट्रक में जा घुसी। हादसे में अशोक बैरागी, यतेश, सुनील कुमार, रौनक और उर्विल गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही लांबिया टोल से हाईवे एंबुलेंस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को भीलवाड़ा जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां सभी का उपचार जारी है।

■ **राजकोट के रहने वाले परिवार की कार सरेरी के पास ट्रक में जा घुसी**

एटीएम उखाड़ ले गए चोर

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के इंदिरा गाँधी नहर इलाके के नेहड़ाई में चोरों ने देर रात एसबीआई के एटीएम को निशाना बनाया। नेहड़ाई गांव में स्थित एसबीआई के एटीएम को गाड़ी के पीछे मोटी रस्सी बांधकर चोर उखाड़ ले गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस साक्ष्य जुटाने सहित सीसीटीवी खंगाल रही है। यह घटना शनिवार देर रात की है। रविवार सुबह जब स्थानीय लोगों ने एटीएम बूथ के दरवाजे टूटे हुए देखे और अंदर से मशीन गायब पाई, तो इलाके में हड़कंप मच गया। तुरंत मोहनगढ़ थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस के अनुसार, बदमाशों ने पहले एटीएम बूथ के गेट तोड़े। इसके बाद उन्होंने किसी वाहन से एटीएम मशीन को मजबूत रस्सियों या चेन से बांधा पूरी मशीन को जोर लगाकर उखाड़ा गया और वे इसे अपने साथ लेकर फरार हो गए। एटीएम में मौजूद नकदी का सही आकलन बैंक की ओर से किया जा रहा है, लेकिन यह 10 से 12 लाख रुपए के बीच होने का अनुमान है। घटना की तफ्तीश करने जैसलमेर से पुलिस अधिकारी मौका मुआयना करने नेहड़ाई पहुंचे। सीसीटीवी केमरा डिटेल ली जा रही है। नाकेबंदी करवाई जा रही है।

जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस यात्रियों की पहली पसंद बनी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान और दिल्ली के बीच तेज, सुरक्षित और आरामदायक सफर का नया अध्याय लिखते हुए जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस यात्रियों की पहली पसंद बन गई है। महंगी किराया श्रेणी के बावजूद यह ट्रेन लोकप्रियता के नए रिकॉर्ड कायम कर रही है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि सेमी हाई स्पीड जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस (26481/26482) अपनी गति, समयबद्धता और अत्याधुनिक सुविधाओं के कारण यात्रियों के बीच बेहद लोकप्रिय हो रही है। यह ट्रेन

■ **42 ट्रिप में 59 हजार यात्रियों ने किया सफर, रेलवे को 6.21 करोड़ का राजस्व मिला**

राजस्थान और दिल्ली के बीच कनेक्टिविटी को नए स्तर पर लेकर गई है। डीआरएम ने बताया कि इस ट्रेन की सफलता का मुख्य कारण इसका आरामदायक कोच डिजाइन, स्वदेशी तकनीक, अत्याधुनिक इंटीरियर और यात्रा समय में बड़ी बचत है। यह ट्रेन कामकाजी यात्रियों और पर्यटकों के लिए भरोसेमंद और तेज विकल्प बन चुकी है।

जोधपुर के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास खेड़ा ने बताया कि 27 सितंबर से 8 नवंबर तक केवल 42 ट्रिप में ही 59 हजार से अधिक यात्रियों ने इस ट्रेन से यात्रा की है, जिससे रेलवे को 6.21 करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि दिल्ली की ओर से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या लगभग तीन हजार अधिक रही, जो ट्रेन की बढ़ती मांग को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। वंदे भारत एक्सप्रेस सप्ताह में छह दिन (मंगलवार को छोड़कर) संचालित होती है। जोधपुर से प्रस्थान: सुबह 5:25 बजे, दिल्ली कैंट आगमन: दोपहर 1:30 बजे, दिल्ली कैंट से प्रस्थान: दोपहर 3:10 बजे, जोधपुर आगमन: रात 11:20 बजे। यह ट्रेन मेड़ता रोड, डेगाना, मकराना, फुलेरा, जयपुर, अलवर, रेवाड़ी और गुड़गांव जैसे प्रमुख स्टेशनों पर ठहरती है और लगभग 604-620 किलोमीटर की दूरी केवल 8 घंटे 5 मिनट में तय करती है।

वंदे भारत एक्सप्रेस में यात्रियों को आरामदायक रिक्लाइनिंग सीटें, पूर्ण वातानुकूलित कोच, स्वचालित दरवाजे, जीपीएस आधारित सूचना प्रणाली, अत्याधुनिक प्रकाश व्यवस्था और उच्च गुणवत्ता वाली ऑनबोर्ड सेवा उपलब्ध कराई जाती है। यह ट्रेन पूरी तरह भारतीय इंजीनियरिंग का उत्कृष्ट उदाहरण है।

महिला से मारपीट व छेड़छाड़, मुकदमा दर्ज

श्रीविजयनगर, (निसं)। यहां पुलिस थाना क्षेत्र में एक महिला से छेड़छाड़ और मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव की महिला ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि कुछ व्यक्तियों ने उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। जब उसने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे वह घायल हो गई। पुलिस ने महिला की शिकायत पर तत्परता दिखाते हुए विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। थाना अधिकारी ने पुष्टि की कि रिपोर्ट के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय पुलिस ने इस प्रकरण की जांच हवलदार बंशीलाल को सौंपी है।

स्कॉलरशिप परीक्षा 16 को

बीकानेर, (निसं)। आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को 9वीं से 12वीं क्लास में छात्रवृत्ति के लिए 16 नवंबर को नेशनल मींस कम मेरिट स्कॉलरशिप परीक्षा-2026 होगी, जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षाएं राजस्थान बीकानेर ने इस परीक्षा के लिए 41 जिलों के आधार पर परीक्षा केंद्रों का निर्धारण कर दिया है।

सहायक निदेशक अरविंद शर्मा ने बताया कि राज्य में पंजीकृत 96 हजार अभ्यर्थियों के लिए 404 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। प्रवेश पत्र 10 नवंबर तक जारी किए जाएंगे। 16 नवम्बर को परीक्षा एक पारी में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। 180 प्रश्न हल करने होंगे। पेपर दो भागों में होगा। मानसिक योग्यता परीक्षण (मेट) और दूसरा शैक्षिक योग्यता परीक्षण (सेट)। मेट में 90 बहुविकल्पीय प्रश्नों के जरिए विद्यार्थियों की तर्क क्षमता और आलोचनात्मक सोच की जांच की जाएगी, जबकि सेट में 90 बहुवैकल्पिक प्रश्न कक्षा सातवीं और आठवीं के विज्ञान, सामाजिक अध्ययन और गणित विषय से संबंधित होंगे। उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक अनिवार्य है। एससी-एसटी श्रेणी के अभ्यर्थियों को 32 प्रतिशत अंक जरूरी है। दिव्यांग श्रेणी के अभ्यर्थियों को अपनी श्रेणी में 3 प्रतिशत आरक्षण नियमानुसार देय होगा। एनएमएमएस योजना में राजस्थान का कोटा 5471 निर्धारित है।

किशोर गृह से बालक भागा

जोधपुर, (कासं)। मंडोर थाना क्षेत्र स्थित किशोर गृह में रह रहा एक बालक खिड़की फांदकर भाग गया। तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चल सका। इसके बाद सुरक्षा गार्ड की ओर से पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। राजकीय किशोर गृह के सुरक्षा गार्ड ने बताया कि 7 नवंबर की सुबह 7:40 पर नवनिर्मित हॉल के वेंटिलेशन खिड़की से कूद कर बालक भाग गया। किशोर गृह में वेंटिलेशन खिड़की के पास लगे पाइप को पकड़कर ऊपर चढ़ा और वहां से नीचे कूद गया। इसका पता चलने पर सुरक्षा गार्ड की ओर से अधीक्षक को सूचना दी गई। बाद में उसे कई जगहों पर ढूंढा, लेकिन बालक नहीं मिला। उसके बाद सुरक्षा गार्ड ने मंडोर थाने पहुंचकर रिपोर्ट दी।

मिट्टी के ढेर में दबने से बालक की मौत

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत ढाणी जुगलपुरा की बढ़की ढाणी में घर के बाहर पड़े मिट्टी के ढेर में एक 13 वर्षिय बालक हॉल बनाकर उसमें घुस गया। अचानक मिट्टी ढह जाने से वह मिट्टी के ढेर में दब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि बड़की ढाणी निवासी मोतीलाल सैनी के घर के बाहर दो ट्रॉली मिट्टी का ढेर पड़ा हुआ था। मिट्टी के ढेर में उसका 13 वर्षीय पुत्र बाबूलाल मिट्टी में हॉल बनाकर खेल रहा था। खेलते-खेलते वह हॉल में घुस गया। इसी दौरान उसके ऊपर मिट्टी का ढेर ढह गया। जिसमें वह दब गया और वह अचेत हो गया। जिसको देखकर उसके पिता व पड़ोसी उसको मिट्टी के ढेर से बाहर निकालकर अचेत अवस्था में उपजिला अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने बाबूलाल को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतक बालक के पिता ने बताया कि बाबूलाल कक्षा 8 में अध्ययनरत था। बाबूलाल तीसरे नम्बर का पुत्र था। मृतक के दो बड़े भाई हैं। मृतक के बड़े भाई का विवाह दो नवंबर को ही हुआ है।

■ **मिट्टी के ढेर में 13 वर्षीय बालक हॉल बनाकर खेल रहा था**

गुलाबी ठंड की दस्तक, लोगों को धूप से राहत

छबड़ा, (निसं)। मानसून का दौर थमते ही मौसम ने रुख बदल लिया है और अब ठंड ने दस्तक दे दी है। वातावरण से नमी लगभग समाप्त होने और किसी प्रभावी वर्षा प्रणाली के सक्रिय न होने के कारण मौसम साफ रहने लगा है। रविवार को सुबह से शाम तक खुली धूप ने राहत दी, लेकिन हवा में घुली ठंडक लगातार बढ़ रही है।

पिछले तीन चार दिनों में न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। दिन का तापमान फिलहाल सामान्य है, पर सुबह और रात की ठिठुरन तेजी से बढ़ रही है। ग्रामीण अंचल में रात और सुबह के समय ओस जमने लगी है। कई स्थानों पर सुबह हल्का कोहरा भी नजर आने लगा है। खेतों में बढ़ती ठंड को देखते हुए किसानों ने फसलों की सुरक्षा के लिए तैयारी शुरू कर दी है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले दिनों में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से हवा का रुख उत्तरी हो जाएगा, जिससे ठंड और बढ़ेगी। अनुमान है कि आगामी

■ **न्यूनतम तापमान में भी तेजी से गिरावट, रात और सुबह ओस जमने लगी**

तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट दर्ज होगी। इसके चलते सुबह-शाम की ठंड में तेज इजाफा होगा।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि नवंबर के दूसरे सप्ताह से सर्दी का असर और स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। इस अवधि में रात का तापमान सामान्य से 4 से 5 डिग्री कम रहने की संभावना है। बढ़ती ठंड के बीच लोग अब गर्म कपड़े निकालने लगे हैं। वहीं दिन में खिली धूप फिलहाल राहत देती नजर आ रही है। अचानक ही ठंड के बढ़ने से लोगों की सेहत पर भी असर पड़ रहा है। अस्पताल में सर्दी, जुकाम और बुखार के मरीज बढ़े हैं।

बूंदी महोत्सव : मान-मनुहार से विदेशी पावणे हुए अभिभूत

रानी रोहिणी फाउंडेशन की सदस्यों व रोहिणी हाड़ा ने पावणों को तिलक लगाकर मोली बांधी व साफे बांधेव लाख के चूड़े पहनाए।

बूंदी महोत्सव के दूसरे दिन गढ़ पैलेस से रानीजी की बावड़ी तक लोक कलाकारों के नृत्य और गान के साथ विरासत यात्रा (हेरिटेज वॉक) निकाली गई।

बूंदी, (निसं)। बूंदी महोत्सव के दूसरे दिन सुखमहल में मीठी मान-मनुहार से विदेशी पावणे अभिभूत हो गए। सुखमहल की प्राकृतिक छठा के बीच विदेशी पावणों की देसी व्यंजनों से मान मनुहार की गई। रानी रोहिणी फाउंडेशन की सदस्यों व रोहिणी हाड़ा ने पावणों को तिलक लगाकर मोली बांधी व साफे बांधेव लाख के चूड़े पहनाए। लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों पर विदेशी सैलानियों ने नृत्य किया।

इस दौरान एडीएम रामकिशोर मीणा एसडीएम लक्ष्मीकांत मीणा, सीईओ जिला परिषद रवि वर्मा, पर्यटन अधिकारी प्रेमशंकर सैनी ने विदेशी पावणों का मुंह मीठा करवाया। संचालन राजकुमार दाधीच ने किया।

वहीं बूंदी महोत्सव के दूसरे दिन गढ़ पैलेस से रानीजी की बावड़ी तक विरासत यात्रा (हेरिटेज वॉक) निकाली गई। लोक कलाकारों के नृत्य और गान के साथ निकाली गई इस यात्रा में देसी-विदेशी पर्यटक शामिल हुए। विरासत यात्रा गढ़ पैलेस से प्रारंभ होकर जैन मंदिर, ऐतिहासिक हाथी शिवप्रसाद हुंजा घोड़ा, लक्ष्मीनाथ का मंदिर, चारभुजा मंदिर राव भाव के सिंहासन, विभिन्न हवेलियों, तोपखाना, चौगान दरवाजा, नागर सागर कुंड, सूर्यमल मिश्रण की प्रतिमा को निहारते हुए ऐतिहासिक रानीजी की बावड़ी पहुंची। सैलानियों को हिंदी और अंग्रेजी में इन मॉन्यूमेंट्स का ऐतिहासिक महत्व एवं बनावट एवं शैली के बारे में बताया गया। सदर बाजार में प्रसिद्ध आजाद बैंड के मास्टर मुश्ताक अली ने बांसुरी बजाकर सैलानियों का दिल जीत लिया। सैलानियों ने इन दृश्यों को अपने कैमरों में भी कैद किया और बूंदी की समृद्ध विरासत को देखकर रोमांचित हुए। कच्छी घोड़ी के कलाकार आयुष मेहता के गीतों में नृत्य करते इस विरासत यात्रा के दौरान आगे-आगे चले। विरासत यात्रा में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवि वर्मा, उपखंड अधिकारी लक्ष्मीकांत मीणा, इंटेक संयोजक राजकुमार दाधीच, राजेंद्र भारद्वाज, केसी वर्मा, जयप्रकाश त्रिपाठी, औराक नय्यर, गाइड अश्विनी शर्मा कुकी, जयप्रकाश जैन सहित विभिन्न गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए।

■ **दूसरे दिन हुआ हेरिटेज वॉक का आयोजन, लोक कलाकारों के नृत्य और गान के साथ निकाली गई इस यात्रा में देसी-विदेशी पर्यटक शामिल हुए**

अनूपगढ़ में लंबी दूरी की ट्रेनों के ठहराव की मांग

अनूपगढ़, (निसं)। रेल विकास समिति ने लंबी दूरी की रेल सेवाएं शुरू करने और बंद पड़ी आरपीएफ चौकी को फिर से संचालित करने की मांग की है। समिति ने अध्यक्ष रमेश शेवकानी के नेतृत्व में उत्तर पश्चिम रेलवे के मंडल प्रबंधक के नाम स्टेशन अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अनूपगढ़ से दिल्ली होते हुए हरिद्वार तक रेल सेवा, अनूपगढ़ से अमृतसर तक रेल सेवा और अनूपगढ़ में बंद की गई आरपीएफ चौकी को पुनः शुरू करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई है। इसके अतिरिक्त, एक वॉशिंग लाइन की सुविधा उपलब्ध कराने की भी मांग की गई है। समिति ने बताया कि भारत-पाक अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित अनूपगढ़ स्टेशन राजनीतिक उपेक्षा का शिकार रहा है। अनूपगढ़ स्टेशन परिसर बीकानेर लोकसभा क्षेत्र में आता है, जबकि पटरी के उत्तर दिशा का पूरा इलाका श्रीगंगानगर लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। इस राजनीतिक विभाजन के कारण क्षेत्र को लंबी दूरी की रेल सेवाओं और अन्य आधुनिक सुविधाओं के मामले में लगातार अनदेखी का सामना करना पड़ा है।

सार-समाचार

जिला कार्यसमिति की बैठक सम्पन्न

राजसमन्द, (निसं)। सरदार वल्लभ भाई पटेल व बिरसा मुंडा जैसे महान विभूतियों का देश मे महत्वपूर्ण योगदान है एक तरफ बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज के साथ अन्य समाजों को मिलाकर के अंग्रेजों के खिलाफ बहुत से आंदोलन किये जिससे देश की आजादी की राह आसान हुई तो दूसरी तरफ सरदार वल्लभ भाई पटेल जैसे महान व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति ने देश मे विभिन्न रियासतों को मिलाकर के भारत की एकजुटता की मिसाल कायम की है और आज हम दोनों विभूतियों की 150 वी जयंती मना रहे है जिसमे सरदार वल्लभभाई पटेल के 150 वी जयंती पर जिले भर में यूनिटी मार्च निकाला गया ओर जैसा कि जिला अध्यक्ष जी ने बताया 11 नवम्बर को भी नाथद्वारा में यूनिटी मार्च निकाला जाएगा इसी प्रकार बिरसा मुंडा की जयंती पर भी आदिवासी समुदाय के बीच डूंगरपुर जिले में 15 नवम्बर को प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम होना तय है जिसमे आप सभी की सहभागिता भी होगी लेकिन मुख्य बात यह है कि हम इन महान विभूतियों की जयंती पर कार्यक्रम इस लिए करते है कि आज की युवा पीढ़ी को यह याद रहे कि भारत किन परिस्थितियों से गुजर कर आज मोदी युग में है हम सभी को उन परिस्थितियों को हमेशा याद रखना चाहिए और उसी अनुसार हमे कार्य करना चाहिए । जिला मीडिया संयोजक अरविंद सिंह भाटी ने बताया कि यह बात भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित जिला कार्यसमिति में मुख्य वक्ता पूर्व प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा ने पदाधिकारियों से कही । इस अवसर पर जिला अध्यक्ष जगदीश पालीवाल ने कहा कि राजसमन्द जिले की पहली कार्यसमिति की बैठक आयोजित हो रही है जिसमे कहना चाहूंगा कि प्रदेश नेतृत्व के द्वारा जो भी कार्यक्रम दिए जाते है उन कार्यक्रमों में राजसमन्द जिला इन पदाधिकारियों की वजह से अठाणी स्थान पर रहा है ओर वर्तमान में अभी सरदार वल्लभभाई पटेल बिरसा मुंडा व वंदेमातरम की 150 वी जयंती भाजपा मना रहे है इन के साथ ही कार्यक्रम में भी भाजपा द्वारा सहयोग किया जा रहा है जिसमे सरदार पटेल की 150 वी जयंती पर जिले के विभिन्न मंडलो पर कार्यक्रम आयोजित हुए है और आगामी 11 नवम्बर को नाथद्वारा में यूनिटी मार्च प्रस्तावित है बिरसा मुंडा जयंती पर भी 15 नवम्बर को डूंगरपुर में आयोजित कार्यक्रम में यहां के पदाधिकारियों द्वारा भाग लिया जाएगा इसके साथ ही प्रत्येक मंडल पर भी कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

गेहूं की बुवाई करते किसान की मौत

कानोड़, (निसं)। निकटवर्ती बड़ा राजपुरा गांव मैं गेहूं की बुवाई करते एक युवा किसान की मौत हो गई । मिली जानकारी के अनुसार बड़ा राजपुरा निवासी किसान हिम्मत लाल कुलमी पुत्र अर्जुन लाल कुलमी (40) जो शुक्रवार को अपने खेत पर गेहूं की बुवाई कर रहा था , जहां अचानक तबियत बिगड़ी और उल्टियां होने लगी, जिस पर खेत पर मौजूद छोटा भाई पवन पाटीदार व भेरू लाल कुलमी नजदीकी चिकित्सालय कानोड़ लेकर पहुंचे जहां चिकित्सको ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए परिजनों की सहमति के साथ भींडर चिकित्सालय रेफर किया ,जहां से भी ज्यादा तबियत बिगड़ने के कारण चिकित्सकों ने उदयपुर रेफर किया, एमबी चिकित्सालय उदयपुर में शनिवार को हिम्मतलाल ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मामले को लेकर पिता अर्जुन लाल कुलमी ने कानोड़ थाने पर रिपोर्ट दी और कानूनी कार्रवाई के साथ अपने बेटे का पोस्टमार्टम करवाने के साथ ही शव सुपुर्द करवाने की रिपोर्ट दी । जहां कानोड़ पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए हेड कांस्टेबल लक्ष्मण लाल मीणा को उदयपुर चिकित्सालय भेजा गया जहां शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा गया। मृतक का गमगीन माहौल में दाह संस्कार किया गया।

कारण बताओ नोटिस जारी

उदयपुर,(कासं)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार वर्तमान में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 के तहत कार्य में लापरवाही बरतने पर बीएलओ सुपरवाइजर और बीएलओ को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र उदयपुर शहर 153 के ईआरओ एडीएम सिटी उदयपुर एवं एईआरओ 153 उदयपुर ने सभी भागों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान भाग संख्या 05, 44, 115, 153 में नियुक्त बीएलओ लक्ष्मण मीणा, योगेश कुमार, मनोहर सिंह एवं मोहम्मद ईलियास के विभाग द्वारा निर्धारित 2002 के मतदाताओं की मैपिंग एवं वर्तमान में परिगणना प्रपत्र के वितरण में कमी पाई गई। इस निर्वाचक रजि. अधिकारी, एडीएम उदयपुर (शहर) जितेंद्र ओझा ने उक्त बीएलओं एवं उनके बीएलओ सुपरवाईजर मनीषा वर्मा, महेन्द्र नागदा, अन्पना व्यास को कारण बताओ नोटिस जारी कर निर्वाचन संबंधित अति महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही के संबंध में जवाब मांगा है। ओझा ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अतिमहत्वपूर्ण कार्य है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही संज्ञान में आने पर संबंधित कार्मिकों के खिलाफ कार्यवाही के लिए प्रस्ताव जिला निर्वाचन अधिकारी को भिजवाए जाएंगे।

दुष्कर्म का मामला दर्ज

उदयपुर,(कासं)। युवती के खिलाफ दुष्कर्म करने वाले के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडिता ने आरोपी गिरीश कुमार सेन पुत्र ओमप्रकाश सेन निवासी आम बन्ना मंदिर के पास दक्षिण विस्तार योजना बलीचा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि आरोपी से संपर्क होने पर तीन वर्ष पूर्व वह मुझे अपने साथ ले गया। जहां उसने नशीला पदार्थ पिलाया । जिसके कुछ समय बाद अचेत हो गई होश में आने पर आरोपी द्वारा मेरे साथ दुष्कर्म करने एवं वीडियों तैयार करने की जानकारी का पता चला। गत दिनों से आरोपी ने मुझसे वीडियों वायरल करने की धमकी देते तथा 5 लाख रूपये की मांग की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच एसआई अर्जुनलाल को सौंपी।

जेवरात चोरी

उदयपुर,(कासं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में सूने मकान से चोर जेवरात चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित किशनसिंह पुत्र पन्नासिंह चौहान निवासी फलासिया सेरना ब्यावर हाल भुवाणा रामनगर ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि गत दिनों मैं परिवार सहित शादी समोराह में गांव गया था। इस दौरान चौर मकान का ताला तोड़ कर सोने के जेवरात व नकदी चुरा ले गए। 4 नवंबर को गांव से लौटने पर मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था।

प्रभारी मंत्री ने किया आर्चरी चैंपियनशिप का शुभारंभ

- **खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, आवश्यकता उन्हें तराश कर आगे बढ़ाने के अवसर मुहैया कराने की है : प्रभारी मंत्री खराड़ी**
- **लक्ष्मण मैदान पर धरती पुत्र वीर धनुर्धर कप-2025 का आयोजन हुआ**

डूंगरपुर, (निसं)। लक्ष्मण मैदान पर रविवार सुबह धरती पुत्र वीर धनुर्धर कप-2025 आर्चरी चैंपियनशिप का शुभारंभ प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराडी के मुख्य आतिथ्य में समारोहपूर्वक हुआ। समारोह में पूर्व केबिनेट मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीया, सागवाड़ा विधायक शंकरलाल डेचा, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक पटेल, सभापति अमृत कलासुआ, बंशीलाल कटारा, जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह तथा एसपी मनीष कुमार बतौर अतिथि मंचासीन रहे। प्रारंभ में आयोजक प्रमुख समाजसेवी महेंद्र सिंह चौहान ने अतिथियों को पगड़ी पहनाकर, बूके भेंटकर एवं प्रतीक चिह्न देकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। अतिथियों ने जिले के तीरंदाज जयंतीलाल डामोर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण किया।

समारोह को संबोधित करते प्रभारी मंत्री खराड़ी ने कहा कि खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है, आवश्यकता उन्हें तराश कर आगे बढ़ाने के अवसर मुहैया कराने की है। आयोजक महेंद्र सिंह चौहान ने जनजाति बहुल डूंगरपुर जिले में तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन कर सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का काम किया है, साथ ही यहां की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देकर बेहतर प्लेटफार्म दिया है। उन्होंने कहा कि यह सोच और विजन ही खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के साथ समाज में समरसता स्थापित करने का कार्य करेगा। आर्चरी चैंपियनशिव में अंडर-14, अंडर-17 तथा सीनियर वर्ग के खिलाडियों ने हिस्सा लिया तथा तीर-कमान के साथ पूरी एकाग्रता से लक्ष्य पर निशाना साधा। आयोजक महेंद्र सिंह ने बताया कि जिलेभर से आए 135 से अधिक तीरंदाज खिलाडियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रथम विजेता को 10 हजार रुपए, द्वितीय को 5 हजार और तृतीय विजेता को 3 हजार रुपए का नगद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर बालिकाओं के समूह द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। संचालन व्याख्याता वैभव पाठक ने किया।

समारोह में समाजसेवी प्रकाश मनात, रायसिंह अहाडा, ललित शाह, नागेंद्र सिंह लिमडी, भूपेंद्र सिंह देवला, सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी अमृतलाल कलाल, पूर्व उपप्रधान हितेश रावल, भाजपा महामंत्री पंकज जैन, जयदिग्पाल सिंह, मनपाल सिंह पाडली, हर्षवर्धन सिंह भिंडा, लोकेंद्र सिंह बनकोडा, रविराज सिंह घडमाला, घनश्याम सिंह वाजेडा, हरि सिंह चौहान, नाहर डूंषसह, अक्षयराज सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह बियोला, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी छाया चौबीसा, कोच प्रशांत पंडवाला, महेशचंद्र गरासिया, भगवतीलाल गरासिया, हेमेंद्र माली, अनिल डामोर सहित टीम मौजूद रही। प्रतियोगिता के शुभारंभ के बाद चौरासी विधायक अनिल कटारा, आसपुर विधायक उमेश डामोर, कांतिभाई आदिवासी भी पहुंचे।

सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

राजसमन्द, (निसं)। महिलाओं के स्वास्थ्य को सशक्त बनाने और कैंसर मुक्त समाज की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाते हुए सेठ बंसीलाल नंदलाल न्याति राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुरज परिसर में दो दिवसीय सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित हुआ, शिविर राष्ट्रीय गैर संचारी रोग दबक कार्यक्रम के अंतर्गतेच और राजसमंद स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित हुआ।

शिविर में प्रशिक्षित एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा लगभग 80 महिलाओं की सर्वाइकल स्तनइतमेंज और मुख वतंस कैंसर की जांच की गई। जांच के साथ-साथ महिलाओं को कैंसर के प्रारंभिक लक्षणों रोकथाम के उपाय और नियमित जांच के महत्व के बारे में भी जागरूक किया।

विधिक सेवा दिवस पर हुआ कार्यक्रमों का आयोजन

बांसवाड़ा, (निसं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर तालुकाओं, लीगल एड डिफेंस काउंसिल एवं पीएलवी ने विभिन्न स्थानों पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किये गये।

विधिक सेवा दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की रोशनी पहुंचाने का संकल्प है। जब तक हर नागरिक अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक नहीं होगा तब तक न्यायपूर्ण समाज की स्थापना अधूरी रहेगी। इस दिवस का उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को निःशुल्क और सक्षम विधिक सहायता प्रदान करने तथा समान न्याय के अधिकार के प्रति जनजागरण फैलाना है। लीगल एड डिफेंस काउंसिल एवं पीएलवी ने आमजन को निःशुल्क विधिक सहायता की प्रक्रिया, लोक अदालतों के लाभ, महिला एवं बाल अधिकार, पीडित प्रतिकर योजना तथा वैकल्पिक विवाद समाधान के तरीकों के बारे में जागरूक किया। साथ ही विधिक साक्षरता कार्यक्रमों के अंतर्गत पर्चे, बैनर एवं पोस्टर के माध्यम से लोगों को जानकारी दी गई। आमजन को यह संदेश दिया गया कि कोई भी व्यक्ति जो आर्थिक रूप से कमजोर है या विधिक सहायता का पात्र है वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर निःशुल्क सहायता प्राप्त कर सकता है। लीगल एंड डिफेन्स काउंसिल ने लोगों को निःशुल्क कानूनी सहायता योजनाओं, महिला संरक्षण कानून, बाल विवाह निषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम, वरिष्ठ नागरिक अधिनियम, एवं साइबर अपराध से सुरक्षा जैसे विषयों पर जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, टोल-फ्री हेल्पलाइन 15100, एवं नालसा और राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गई। अंत में लीगल एड डिफेन्स काउंसिल अधिवक्ताओं एवं पैरा लीगल वॉलंटियर्स ने संकल्प लिया कि वे आने वाले दिनों में भी विभिन्न स्थानों पर जाकर कानूनी साक्षरता एवं न्यायिक सहायता की भावना को जन-जन तक पहुंचाते रहेंगे ताकि न्याय सबके लिए का उद्देश्य पूर्ण रूप से साकार हो सके।

'रन फॉर डायबिटीज' से दिया मधुमेह से बचाव का संदेश

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के मेडिसिन विभाग द्वारा संचालित मधुमेह सुरक्षा पखवाड़े के अंतर्गत आज फतहसागर झील की पाल पर एक विशाल 'डायबिटीज वॉकाथॉन एवं रैली' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को मधुमेह से बचाव, नियमित जांच, संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक करना था। रैली में प्रतिभागियों ने रन फॉर डायबिटीज के नारों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा मधुमेह नियंत्रण एवं रोकथाम के संदेश वाले पोस्टर और बैनर लेकर फतहसागर के राजीव गाधी पार्क से देवाली छोर तक पैदल मार्च किया।

इस अवसर पर पीएमसीएच के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ.गिरीष वर्मा,डायबिटीज विशेषज्ञ डॉ.जगदीश विश्नोई एवं डॉ.वीरेंद्र चौधरी, पीडीआरसी से डॉ.सौरभ गोयल और डॉ. नेहा चड्डा,तिरुपति नर्सिंग कॉलेज से डॉ. सुनील जोशी और संजय नागदा,पेसिफिक यूनिवर्सिटी,देबारी से डॉ. हेमंत पंड्या,गगन यादव एवं डॉ. नीलम व्यास,दर्शन डेंटल कॉलेज से डॉ. विकास पुनिया एवं डॉ. पुलकित चौधरी उपस्थित रहे।इस आयोजन में पेसिफिक ग्रुप ऑफ कॉलेजे के विभिन्न संस्थानों से जुडे 500 से अधिक छात्र-छात्राओं, अध्यापकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतिभागियों ने स्लोगन बैनर्स, स्वास्थ्य संदेशों और रंग-बिरंगे पोस्टर्स के माध्यम से जनता को मधुमेह के प्रति जागरूक किया। पीएमसीएच के चेयरमैन राहुल अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए मेडिसिन विभाग को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जनजागरूकता अभियान समाज में स्वास्थ्य के प्रति चेतना जागृत करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होते हैं। मधुमेह जैसी जीवनशैली से जुडी बीमारियों से बचाव के लिए ऐसे कार्यक्रमों की अत्यंत आवश्यकता है।

कार्यक्रम समन्वयक एवं पीएमसीएच मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉ.जगदीश विश्नोई ने बताया कि यह आयोजन का उद्धेष समाज में मधुमेह के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोगों को समय पर जांच करवाने, नियमित व्यायाम करने तथा खानपान पर नियंत्रण रखने का संदेश देने के उद्देश्य से किया गया। उन्होंने कहा कि मधुमेह एक ऐसी बीमारी है जो धीरे-धीरे शरीर को प्रभावित करती है। कई बार लोग इसके लक्षणों को पहचान नहीं पाते और समय पर जांच न कराने के कारण जटिलताएँ बढ़ जाती हैं।

डमी खातेदार व अन्य के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर,(कासं)। सुखेर थाना पुलिस ने डमी आरोपी व साथियों के खिलाफ पीडित की जमीन अन्य को रजिस्ट्री कराने का प्रकरण दर्ज किया। पीडित भूरीलाल निवासी गंदोली मावली ने भूरीलाल उर्फ भूरालाल भील निवासी वाजमिया गादोली मावली, शंकरलाल भील व सुमेरसिंह, दुर्गाशंकर भील के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि मेरे स्वामित्व की राजस्व ग्राम कमलोद गिर्वा में है। जिसे 26 जुलाई 2012 को खरीदी थी। जिसका नामान्तरण कराने उदयपुर विकास प्राधिकरण पहुंचा तो उक्त जमीन शंकरलाल निवासी पीपलिया फला उपरेटा के नाम दर्ज होनी पाया गया। पडताल की तो 14 मई 25 को मेरे नाम भूरीलाल उर्फ भुरालाल मय ने दो गवाह सुमेरसिंह निवासी गोटिया वल्लभनगर तथा दुर्गा शंकर भील निवासी रेबारियों का गुड़ा ढिकली द्वारा फर्जी रजिस्ट्री कराना पाया गया।

तेजाजी का खेल आज से

राजसमन्द, (निसं)। ग्राम भाटोली में तीन दिवसीय तेजाजी का खेल आज सोमवार से प्रारम्भ होगा जो बुधवार तक चलेगा। खेल माँ जोगणिया म्यूजिकल ग्रुप के ऑनर शंकर नन्दवई के सानिध्य में प्रतिदिन रात्रि 9 बजे से शुरू होगा जो देर रात तक चलेगा। खेल कोबलेकर गांव के मुख्य चौराहा चारभुजा मन्दिर के पास भदेसर भेरूजी की डोली में तैयारियां जोरों शोरो से चल रही है।

पावर बैंक बैटरी फटने से बच्चा गंभीर घायल

डूंगरपुर, (निसं)। ओबरी थाना क्षेत्र में पावर बैंक बैटरी फटने से एक बच्चा गंभीर घायल हो गया। बच्चे के दोनों हाथ बुरी तरह झुलस गए और उसकी तीन उंगलियां कट गईं। बच्चे को गंभीर हालत में उदयपुर रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार ओबरी सुरना गांव निवासी संजय पुत्र दिनेश डामोर को सड़क किनारे पावर बैंक की बैटरी पड़ी मिली थी। संजय उस बैटरी से खेलने लगा। इसी दौरान बैटरी अचानक फट गई। बैटरी फटने से संजय के दोनों हाथ बुरी तरह झुलस गए और उसकी तीन उंगलियां कट गईं। मौजूद लोगों ने तत्काल घटना की सूचना बच्चे के परिजनों को दी।घायल संजय को तुरंत सागवाड़ा अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे डूंगरपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। डूंगरपुर में डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे आगे के इलाज के लिए उदयपुर रेफर कर दिया।

'कांग्रेस को घुसपैठियों की भाजपा को लोकतंत्र की चिंता'

- **एसआईआर और बिरसा मुंडा जयंती कार्यक्रम को लेकर भाजपा देहात की कार्यशाला सम्पन्न**

उदयपुर, (कासं)। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को लेकर डूंगरपुर में 15 नवंबर को होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम एवं मतदाता गहन पुनर्निरीक्षण अभियान को लेकर भाजपा उदयपुर देहात की कार्यशाला रविवार को भाजपा के बलिचा स्थित कार्यालय में उदयपुर लोक सभा सांसद डा मन्नालाल रावत के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुई।

कार्यशाला में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर डूंगरपुर में होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम को लेकर विधानसभा वार एवं मंडल वार पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां एवं लक्ष्य आवंटित किए गए ।इस अवसर पर बोलते हुए सांसद डा मन्नालाल रावत ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा जनजाति समुदाय के साथ ही भारत के जन जन के गौरव हैं। कांग्रेस ने जनजाति नायकों के इतिहास को नेपथ्य में डालने का काम किया और जनजाति वर्ग को वोट बैंक समझ शोषण ही किया। उन्होंने कहा कि जनजाति वर्ग के कल्याण को लेकर भाजपा की सरकारें चाहे वो केंद्र की हो या राज्य की सदा चिंतित रही है।

जनजाति मंत्रालय,जनजाति आयोग,अनुसूचित क्षेत्रों का दायरा बढाने से लेकर,पांचवीं अनुसूची को लागू करने एजनजाति वर्ग को नौकरियों से लेकर शैक्षणिक क्षेत्र में आरक्षण हर पहलू को भाजपा ने धरातल पर लागू किया।सांसद रावत ने कहा कि एसआईआर अभियान कोई पहली बार नहीं हो रहा है आजादी के बाद नौवीं बार मतदाता गहन पुनर्निरीक्षण अभियान हो रहा है। लेकिन कांग्रेस इसको लेकर भ्रम फैला रही हे क्योंकि कांग्रेस को घुसपैठिया वोट बैंक की चिंता है और भाजपा को लोकतंत्र की मजबूती की चिंता है।

सांसद रावत ने कहा कि बूथ लेवल एजेंट और पार्टी के बूथ और शक्ति केंद्र के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर इस अभियान के तहत हर मतदाता तक पहुंचना है और पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में जुडवाना है। कार्यशाला को पूर्व जिलाध्यक्ष भवर सिंह पंवार, जिला महामंत्री ललित सिंह सिसोदिया, जिला उपाध्यक्ष एवं अभियान के जिला संयोजक दीपक शर्मा, पूर्व जिला प्रमुख शांतिलाल मेघवाल ने भी संबोधित किया।

अखंड ज्योत व शिलान्यास के साथ मंदिर का निर्माण कार्य शुरू

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर के ब्रह्म स्थली कॉलोनी स्थित श्री सिद्धि विनायक गणपति मंदिर परिसर में सिद्धि विनायक मंदिर समिति, कॉलोनी निवासियों के माध्यम से श्री खाटू श्याम भक्तों के द्वारा संकल्पित श्री खाटू श्याम मंदिर के निर्माण कार्य का शुभारंभ मंदिर परिसर में समिति के अध्यक्ष और मुख्य यजमान पूनमचंद लबाना की अध्यक्षता में अखंड ज्योत प्रज्वलित कर शिला पूजन के यजमानों के साथ वैदिक विधि विधान से नींव में कलश ओर शिला स्थापना के साथ प्रारंभ हुआ।

मंदिर समिति द्वारा बताया गया कि श्री खाटू श्याम मंदिर भव्य स्तर पर निर्मित किया जाएगा। निर्माण के बाद प्रत्येक एकादशी ओर विभिन्न त्यौहारों पर नियमित भजन कीर्तन सत्संग किए जाएंगे। ये मंदिर जन आस्था का केंद्र बनेगा। मंदिर समिति द्वारा सर्व समाज ओर पूरे शहर के सनातनी श्याम भक्तों से निवेदन किया गया कि इस मंदिर निर्माण में अधिक से अधिक संख्या में जुडे ओर इस पुनीत कार्य में अपनी श्रद्धा अनुसार तन मन धन से सहयोग करे। इसके साथ ही श्री खाटू श्याम की आरती के साथ प्रसाद वितरण कर शिलान्यास कार्यक्रम संपन्न किया गया। इस अवसर पर कॉलोनी निवासियों सहित उप सभापति सुदर्शन जैन, समाज सेवी रमेश वरयानी , छोटा लाल जी शर्मा, सतीश शाह ,प्यारे लाल चौबीस, डा हेमंत शर्मा, ओम व्यास, प्रवीण श्रीमाल, सुमित्रा चौबीस, निकिता कंसारा, नीलम जैन, विनोद पंचाल, जीवन धर जैन, संजय शर्मा, निकुंज गांधी नरेंद्र आर्य,विशाल शर्मा, दिनेश उपाध्याय, राजकुमारी प्रजापत, विजय लक्ष्मी श्रीमाल , नारायण राजपुरोहित आदि उपस्थित रहे। मंदिर समिति द्वारा गीतेश पंड्या को सिद्धि विनायक मंदिर के पुजारी के तौर पर अनुबंधित किया गया। जो सुबह शाम दोनों समय मंदिर में विधिवत पूजा कार्य करेंगे। इसी क्रम में सिद्धि विनायक मंदिर समिति के अध्यक्ष पूनमचंद लबाना ने मंदिर समिति की स्थाई कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए 11 सदस्यों की एवं सेवा कार्य में सहयोग हेतु 101 आमंत्रित सदस्यों की नियुक्ति का अनुमोदन किया।

क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए आयोजित किए गए धरतीपुत्र वीर धनुर्धर कप कार्यक्रम में बतौर अतिथि सागवाड़ा विधायक शंकरलाल डेचा, समाजसेवी महेंद्रजीत सिंह मालवीय, नगर परिषद सभापति अमृतलाल कलासुआ, समाजसेवी बंशीलाल कटारा, जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह, जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार, पवन जैन, सुदर्शन जैन, प्रकाश मनात मंचासीन रहें। इस अवसर पर अतिथियों ने जनजातियों में तीरंदाजी की महत्ता एवं तीरंदाजी खेल के बारें में बताते हुए वागड़ क्षेत्र के खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक तीरंदाजी में सफलता के झंडे गाड़ने तथा क्षेत्र का नाम गौरवान्वित करने की जानकारी देते हुए खिलाड़ियों को लक्ष्य बनाकर आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम आयोजक महेंद्र सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में जिले पर से आए 135 तीरंदाज भाग ले रहे हैं। इसमें प्रथम विजेता को 10 हजार रुपए, द्वितीय को 5 हजार और तृतीय विजेता को 3 हजार रुपए का नगद पुरुस्कार दिया जाएगा। इस मौके पर बालिकाओं के समूह द्वाराप्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम पारंपरिक नृत्य ने मनमोहन लिया।

सार-समाचार

प्रतिभाओं का किया सम्मान

बांसवाड़ा, (निसं)। हाड़खरा पटेल समाज खेलकूद एवं शिक्षा समिति के तत्वावधान में समाज का वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह समाज के छात्रावास परिसर ठिकरिया में कालूसिंह खेर की अध्यक्षता, प्रधानाचार्य डाइट गढ़ी देवेंद्र पाटीदार के मुख्य आतिथ्य एवं गौतम परमार, नाहर सिंह, लालसिंह सोलंकी, भगवती सिंह, वालेंग भाई, केरेंग सोलंकी एवं अनार सिंह आदि गणमान्य समाजजनों के विषिश्ट आतिथ्य में हुआ। समारोह में समाज के 10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अर्जित करने वाली 100 से अधिक प्रतिभाओं को प्रमाण पत्र व प्रतीक चि प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही समाज के नव नियुक्त राजकीय कार्मिकों, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले युवाओं तथा विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियां अर्जित करने वाले समाजजनों का भी सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि देवेंद्र पाटीदार ने कहा कि समाज की प्रगति तभी संभव है जब हम शिक्षा, एकता और संस्कारों को समान रूप से महत्व दें। प्रतिभाओं का सम्मान केवल उनका उत्साहवर्धन नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का माध्यम भी है। युवा वर्ग को चाहिए कि वे अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहें और समाज व राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान करियर सेमिनार में समाज के ही युवा वक्ताओं ईश्वर पटेल, कल्याण सोलंकी, जगदीश पटेल, रोहित सोलंकी एवं पवन सोलंकी ने विद्यार्थियों को करियर योजना, परीक्षा की तैयारी, आत्मविश्वास और समय प्रबंधन जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया। वक्ताओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सफलता का मूलमंत्र सतत प्रयास और सकारात्मक सोच है। समिति अध्यक्ष रणछोड़ गोयल ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता, आपसी एकता और सहयोग की भावना को और बल मिलता है। उन्होंने समाज के युवाओं से आगे आकर शिक्षा, सेवा और संगठन के क्षेत्र में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। संचालन फतेहसिंह व अनिल पटेल ने किया जबकि आभार मानेंग डांगी ने माना। समारोह में बड़ी संख्या में समाजजन, विद्यार्थी, अभिभावक सम्मिलित रहे। कार्यक्रम में धर्मेन्द्र पटेल, रुपजी चौहान, कल्याण चौहान, रमेश मसाणी, अर्जुन मसाणी, महेंद्र पटेल, हीरालाल पटेल, प्रेमजी पटेल, कालू भाई आदि मौजूद रहे।

वॉश व भट्टियां नष्ट

उदयपुर, (कासं)। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही कर अभियोग दर्ज किए गए। आबकारी आयुक्त के निर्देशानुसार अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रशासन ओपी जैन एवं अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत के सुपरविजन में जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में जयपुर में आबकारी थाना चाकसू क्षेत्र के ग्राम बस्सी, रिको एरिया, बाजुपुरा, त्रिलोकपुरा, लसाड़िया, फलियावास, सांक सिंडोली क्षेत्र में अवैध शराब के भण्डारण पर दबिष देकर 3 हजार लीटर वॉश, 2 कच्ची भट्टियां नष्ट की गई साथ ही 552 देशी शराब के पव्वे, रम के 48 पव्वे एवं 12 बोतल बीयर जब्त की गई। आबकारी दल ने 2 अभियोग दर्ज किए। बीकानेर के श्रीकरणपुर क्षेत्र में 7 लीटर हथकड़ी शराब जब्त करने के साथ 60 लीटर उत्तेजित वॉश नष्ट करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। चुरू जिले के आबकारी थाना राजगढ की कार्रवाई में 4 लीटर हथकड़ी शराब, एक बोतल माल्टा जब्त करते हुए एक चालू भट्टी को नष्ट किया। लाडनुं में नाकाबंदी के दौरान एक होंडा स्कूटी वाहन की जांच पर 80 पव्वे देशी शराब के बरामद किए। इसी प्रकार प्रदेश के समस्त जिलों में भी विशेष निरोधात्मक अभियान के नाकाबंदी, दबिश व सघन गश्त की जा रही है।

धमकाने का मामला दर्ज

उदयपुर,(कासं)। सूरजपोल थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पीडत को धमकाने का प्ररकण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित सीमरसिंह निवासी सिमर ट्यूर ट्रावेल्स मेवाड़ा मोटर गली उदियापोल ने चिमनसिंह पुत्र मोतीसिंह निवासी मेहता सदन हिरणमगरी सेक्टर 11 सुरों का फला कानपुर राजियावास अजमेर के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि आरोपी मेरे से पास वाहन चलाता हैं। 25 सितंबर को कार किराए पर लेकर गया वापस लौटने के बाद कार छोड़ गया। किसी प्रकार का हिसाब नहीं दिया। मांगने पर धमकाना शुरू कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

उदयपुर में हुई मिनी मैराथन

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर के महाकालेश्वर मंदिर से फतहसागर पाल तक मिनी मैराथन का आयोजन रविववार सुबह 6.30 बजे हुआ। सीबीएसई मिनी मैराथन में 23 स्कूलों के करीब एक हजार छात्र-छात्राओं ने दौड़ लगाई। अर्जुन अवार्ड से सम्मानित दुतीचन्द ने युवा खिलाड़ियों को फिटनेस एवं स्पोर्ट्समैनशिप के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ- साथ खेलों के प्रति भी जागरूकता और निरन्तरता होनी चाहिये। दुनिया में कोई भी काम मुश्किल नहीं होता है, बस इच्छा शक्ति होनी चाहिये। फादर ए. जॉन बोस्को ने बताया कि शहर के संत पॉल स्कूल के तत्वावधान में आयोजित इस मिनी मैराथन में भाग लेने के लिए प्रातः प्रतिभागी महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण पहुंचे। इस दौरान योग प्रशिक्षक द्वारा दस मिनिट का योगा भी करवाया गया। मिनी मैराथन की शुरूआत फादर ए. जॉन बोस्को, फादर स्टीफन रावत, मुख्य अतिथि भारत की विख्यात धाविका एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक विजेता एवं भारत सरकार द्वारा अर्जुन अवार्ड से सम्मानित सुश्री दुतीचन्द, सी.बी.एस.ई. अजमेर रीजन के उप सचिव एवं प्रमुख उत्कृष्टता केन्द्र संजीव श्रीवास्तव एवं डॉ. आनन्द गुप्ता, आइरन मेन ऋशभ जैन ने हरी झंडी दिखाकर किया। प्रतियोगिता समापन पर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवृत्ति कुमारी मेवाड़ ने की। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ प्राध्यापक बर्नार्ड भूरिया ने किया तथा अंजू चौबे ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

देशभक्ति कार्यक्रमों ने बांधा समां

डूंगरपुर, (निसं)। राष्ट्रगीत वंदे मातरम/150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चंद्र धाकड़ की मुख्य आतिथ्य में नगर परिषद ऑडिटोरियम हॉल डूंगरपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश चंद्र धाकड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़, जिला शिक्षा अधिकारी रणछोड़ डामोर, एसीबीईओ डूंगरपुर विमल साद ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के गायन के साथ किया गया। कार्यक्रम में एसडी इंटरनेशनल स्कूल की छात्राओं ने वंदे मातरम एकता गीत, राप्रावि भीलवटा सुरपुर की छात्राओं ने देश भक्ति नाम नहीं एक जश्न है भारत, विद्यानिकेतन नई बस्ती की छात्र-छात्राओं ने सामूहिक नृत्य, केजीबीवी भचडिया, इमानुएल माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सामूहिक नृत्य, आदर्श विद्या मंदिर मा. विद्यालय डूंगरपुर ने तेरे मिट्टी में मिल जावा सामूहिक नृत्य, मन की उड़ान संस्थान द्वारा सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर प्रस्तुतियां प्रस्तुत की।

81 यूनिट रक्तदान

उदयपुर, (कासं)। विश्व हिन्दू परिषद की बजरंग दल, उदयपुर महानगर द्वारा रविवार को हुतात्मा दिवस पर अपने बलिदानी कार सेवकों को नमन करते हुए रक्तदान शिविर आयोजित कर 81 यूनिट रक्तदान किया गया।यह शिविर प्रातः 10 बजे से सामुदायिक भवनए गंगू कुंड, आयड में प्रारंभ हुआ। शिविर में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने बलिदानियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

कार्यालय नगरपरिषद निम्बाहेड़ा जिला-चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांकः- नपनि/हस्ता./155286/2025-26/4668-70 दिनांकः 29.10.2025

-: आपत्ति सुचना :-

एतद द्वारा सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि नगरपालिका निम्बाहेड़ा द्वारा पट्टा विलेख/पत्रावली सं. 56/2008-09 दिनांक 16.09.2009 का पट्टा भूखण्ड आवासीय योजना अम्बानगर साईज (22'+35'x50'=1425 sqf) का पट्टा श्री शकील गौरी पिता अब्दूल गौरी निवासी निम्बाहेड़ा के नाम जारी किया गया। मूल आवंटी/पट्टाधारी द्वारा जरीये विक्रय विलेख से उक्त भूखण्ड को श्रीमती पार्वती देवी पत्नि श्री शंकरलाल जी राजोरा निवासी निम्बाहेड़ा का विक्रय किया गया। क्रेता श्रीमती पार्वती देवी पत्नि श्री शंकरलाल जी राजोरा एवं उनके पति श्री शंकरलाल राजोरा का आकस्मिक निधन दिनांक 03/09/2016 को हो जाने से उनके वारिसान पुत्र 1. श्री जगदीश राजोरा पिता स्व. श्री शंकरलाल राजोरा 2. श्री प्रहलाद राजोरा पिता स्व. श्री शंकरलाल राजोरा द्वारा उक्त भूखण्ड को जरीये विक्रय विलेख से श्रीमति गायत्री कुमावत पत्नि श्री अनिल कुमावत निवासी कासोद दरवाजा निम्बाहेड़ा को विक्रय किया गया। क्रेता श्रीमति गायत्री कुमावत पत्नि श्री अनिल कुमावत निवासी कासोद दरवाजा निम्बाहेड़ा द्वारा भूखण्ड के चैन दस्तावेज प्रस्तुत कर हस्तान्तरण अपने नाम से किये जाने का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। अतः इस संबंध में किसी आस-पड़ोस/परिवार जन या किसी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति हो तो मय सबुत के अन्दर मियाद आपत्ति प्रकाशन से 07 दिवस में नगर परिषद निम्बाहेड़ा में, कार्यालय दिवस में आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। बाद समयावधि कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी, और आवेदक श्रीमती गायत्री कुमावत पत्नि श्री अनिल कुमावत निवासी कासोद दरवाजा निम्बाहेड़ा के नाम से हस्तान्तरण कि कार्यवाही प्रस्तावित कि जाकर आवेदक के पक्ष में हस्तान्तरण प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा। सूचित हो।

आयुक्त, नगर परिषद निम्बाहेड़ा

मेरी हर जीत देश के उन वीर जवानों के लिए है जिन्होंने अपनी जान देश की सुरक्षा में न्योछावर की। यह सिल्वर मेडल मैं उन सभी शहीदों को समर्पित करता हूं।

- श्रीमंत झा

पैरा-आर्म रेसलर, वर्ल्ड कप में सिल्वर मैडल जीतने के बाद बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी

नोवाक जोकोविच

ग्रीस के एथेंस में खेले गए हेलैनिक चैंपियनशिप फाइनल में शानदार जीत दर्ज करने के बाद सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने एटीपी फाइनल्स से नाम वापस ले लिया है। जोकोविच ने शनिवार को इटली के लोरेन्जो मुस्सेट्टी को कड़े मुकाबले में हराकर अपना 101वां करियर खिताब जीता, लेकिन इसके कुछ ही घंटों बाद उन्होंने कंधे की चोट के कारण टूर्नामेंट से हटने का फैसला किया है। जोकोविच ने कहा कि वे इस चोट से पूरे टूर्नामेंट के दौरान जूझते रहे। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए बताया कि वे ट्ययूरिन में होने वाले एटीपी फाइनल्स में हिस्सा लेने के लिए उत्साहित थे।

क्या आप जानते हैं ?... विराट कोहली ने वनडे और टी20 को मिलाकर सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है और उनके नाम इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन हैं।

सिमरजीत ने झटके छह विकेट,लेकिन जे एंड के को 99 रनों की बढ़त

नयी दिल्ली, 9 नवंबर । दिल्ली के तेज गेंदबाज सिमरजीत सिंह ने शाम के सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए जम्मू-कश्मीर की टीम को पहली पारी में 310 के स्कोर पर समेट दिया। हालांकि कप्तान पारस डोगरा (106), अब्दुल समन (85) और कन्हैया वधावन (47) की शानदार पारियों के दम पर जम्मू-कश्मीर ने 99 रनों की बढ़त मिली। दिन का खेल समाप्त होने तक दिल्ली ने दूसरी पारी में बिना कोई विकेट खोए सात रन बना लिये हैं। सिमरजीत ने दिन की धीमी शुरुआत के बाद छह विकेट लिए। जब आज खेल शुरू हुआ तो वह मैदान पर नहीं थे। वह थोडी देर तक अलग अभ्यास कर रहे थे। जब वह आखिरकार मैदान पर आए तो वह पूरी तरह फिट नहीं लग रहे थे। उन्होंने डीप में एक आसान कैच छोड दिया। लेकिन सिमरजीत सिंह ने स्विंग कराकर जम्मू-कश्मीर के बल्लेबाजों को परेशान रखा और आखिरकार छह विकेट लेकर दिन का खेल खत्म किया। जम्मू-कश्मीर ने कल के तीन विकेट पर 31 रन से आगे खेलना शुरु किया। दिल्ली को चौथी सफलता विभ्रांत शर्मा (14) रनआउट के रूप में मिली। इसके बाद कप्तान पारस डोगरा और अब्दुल समद ने पारी को संभाला और पांचवें विकेट के लिए 141 रन जोडे। 59वें ओवर में मनन भारद्वाज ने अब्दुल समद (85) को आउटकर इस साझेदारी को तोडा। इसके बाद ऋतिक शौकीन ने शतक बना चुके पारस डोगरा (106) को अपना शिकार बना लिया। कन्हैया वधावन (47) को मनी ग्रेवाल ने आउट किया। साहिल लूथरा (10), आक़िब नबी (शून्य) और आबिद मुश्ताक (17) को सिमरजीत ने आउट कर जम्मू-कश्मीर की पारी का 310 के स्कोर पर अंत कर दिया।

आकाश चौधरी ने आठ छक्के लगाकर फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में सबसे तेज 50 रन जोडे

सूरत, 9 नवंबर । मेघालय के बल्लेबाज आकाश कुमार चौधरी ने रविवार को रणजी मुकाबले में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए लगातार आठ छ्क्के लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ वह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सबसे तेज 50 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये। आकाश ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में एक ओवर में छह छक्के जडे। वह यह कारनामा करने वाले तीसरे खिलाडी बने। इसके अलावा उन्होंने इस प्रारुप में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का रिकार्ड भी बनाया। उन्होंने लगातार आठ छक्के लगाकर ऐसा किया। उन्होंने 11 गेंदों में अपना रिकॉर्ड अर्धशतक पूरा किया। आकाश ने यह कारनामा रणजी ट्रॉफी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ मेघालय की ओर से खेलते हुए प्लेट ग्रुप मैच के दूसरे दिन किया। उन्होंने पारी के 126वें ओवर में लेफ्ट-आर्म स्पिनर लिमर डाबी की गेंदों पर छह छक्के जडे, और इस तरह वह उस खास क्लब में शामिल हो गए जिसमें इससे पहले केवल रवि शास्त्री और गैरी सोबर्स थे।

सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई सैकिया-नकवी की बैठक

दुबई, 9 नवम्बर । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के बीच मुलाकात हाल ही में हुई आईसीसी बैठकों से अलग हुई।

सूत्रों ने बताया कि यह बैठक, हालांकि कुछ आईसीसी अधिकारियों द्वारा आयोजित की गई थी, आईसीसी सत्रों से स्वतंत्र थी और अनौपचारिक बोर्ड बातचीत के दौरान भी इस मुद्दे पर चर्चा नहीं की गई। मीडिया के एक वर्ग में आई खबरों के विपरीत, यह मुद्दा कभी भी आईसीसी बैठक के एजेंडे का हिस्सा नहीं था।

एशिया कप ट्रॉफी को लेकर गतिरोध दूर करने के लिए दोनों बोर्ड के अधिकारियों की बैठक हुई। अधिकारियों ने महसूस किया कि इस मुद्दे को जल्द से जल्द सुलझाना जरूरी है और जैसा कि इस क्रिकबज ने बताया है, बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई।

आईसीसी के कुछ अधिकारियों की मध्यस्थता से हुए समझौते के बाद, दोनों बोर्ड - जो लंबे समय से एशिया कप ट्रॉफी विवाद को लेकर असहमत थे - सौहार्दपूर्ण ढंग से बातचीत करने और गतिरोध समाप्त करने के करीब पहुंच गए हैं।

बीसीसीआई सचिव सैकिया और पीसीबी प्रमुख मोहसिन

नकवी के बीच बैठक कराने से पहले आईसीसी ने इस मामले पर औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरह से चर्चा की।

भारत ने 28 सितंबर को दुबई अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में हुए फाइनल में पाकिस्तान को पूरी ईमानदारी से हराया था, लेकिन उन्हें ट्रॉफी नहीं दी गई क्योंकि उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमलों के पीडितों और पाकिस्तान पर सशस्त्र हमले, ऑपरेशन सिंदूर, शुरू करने वाले भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए, नकवी से इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।

अहमदाबाद और कोलकाता 2026 टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल की मेजबानी के लिए चुने गए

दुबई, 9 नवम्बर। अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाले टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल के लिए अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम और कोलकाता के ईडन गार्डन्स को चुना गया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले विश्व कप के लिए, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आठ स्थलों पर अपनी मुहर लगा दी है।

भारत के पांच शहरों - मुंबई, दिल्ली, चेन्नई के अलावा अहमदाबाद और कोलकाता - और श्रीलंका के तीन स्थानों - कोलंबो में दो स्टेडियम और कैंडी में एक स्टेडियम - को अंतिम रूप दे दिया गया है, लेकिन फ़ाइनल के स्थान पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। यह फ़ाइनल में पहुंचने वाली टीमों पर निर्भर करेगा और उससे भी महत्वपूर्ण यह कि उनमें से एक पाकिस्तान होगा या नहीं।

सेमीफ़ाइनल की बात करें तो, अगर श्रीलंका या पाकिस्तान अंतिम चार में पहुंचते हैं, तो वह मैच कोलंबो में खेला जाएगा। अगर कोई भी अंतिम चार में नहीं पहुंचता है, तो दोनों सेमीफ़ाइनल भारत में खेले जायेंगे। अगर पाकिस्तान उस स्तर तक पहुंचता है, तो फ़ाइनल निश्चित रूप से कोलंबो में खेला जाएगा। इन पहलुओं पर अंतिम निर्णय खुले तौर पर रखे गए हैं।

17 अक्टूबर को जारी आईसीसी की एक विज्ञिप्त के अनुसार, 20 टीमों का यह टूर्नामेंट अमेरिका और वेस्टइंडीज़ में 2024 में हुए टूर्नामेंट के समान प्रारूप में खेला जाएगा, जिसमें टीमों को पांच-पांच टीमों के चार अलग-अलग समूहों में रखा जाएगा। टेस्ट खेलने वाले सभी 13 देशों, कनाडा, नीदरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, ओमान और नामीबिया को छोडकर, इस महीने भर चलने वाले आयोजन के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। यूरोपीय टीम इटली इस वैश्विक चैंपियनशिप में पदार्पण करेगी।

ग्रुप चरण के बाद सुपर-8 चरण होगा जिसमें प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें शामिल होंगी। आईसीसी ने कहा, ''सुपर-8 में चार टीमों के दो ग्रुप होंगे, और प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें नॉकआउट सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।''

भारत विश्व कप का गत विजेता है, जिसने जून 2024 में दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराकर खिताब जीता था।

क्या बडे बदलाव की तैयारी है? सैमसन के बदले जडेजा

नयी दिल्ली, 9 नवम्बर । रवींद्र जडेजा के बदले संजू सैमसन - एक ऐसी संभावना जिसे कभी आईपीएल हलकों में न केवल दूर की कौडी बल्कि पूरी तरह असंभव माना जाता था, अब अटकलें नहीं रह गई हैं। पिछले कुछ दिनों में व्यापार समझौते पर सक्रिय बातचीत शुरू हो गई है। यह अभी भी, जैसा कि अमेरिका में कहा जाता है, एक निश्चित सौदा नहीं है - लेकिन क्रिकबज इस बात की पुष्टि कर सकता है कि चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स इस व्यापार पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। क्रिकबज ने 7 नवंबर को इस संभावना के बारे में बताया था।

जडेजा और सैमसन दोनों ही 18 करोड रुपये के खिलाडी हैं और अब तक यह सौदा पक्का हो चुका होगा। हालांकि, समझा जाता है कि राजस्थान रॉयल्स अभी सीधे अदला-बदली के लिए तैयार नहीं है। माना जा रहा है कि फ्रेंचाइजी किसी अन्य खिलाडी को शामिल करने पर ज़ोर दे रही है, जो अंततः पेच का कारण बन सकता है।

ऐसा माना जा रहा है कि रॉयल्स प्रबंधन ने कुछ अन्य फ्रेंचाइजी- जैसे सनराइजर्स हैदराबाद- को भी चुना है, इसके अलावा लखनऊ सुपर जायंट्स, दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स जैसी टीमों के साथ अपने संवाद के चैनल खुले रखे हैं।

ऐसा समझा जाता है कि सीएसके-आरआर सौदे में सबसे बडी बाधा दक्षिण

अफ्रीकी खिलाडी डेवाल्ड ब्रेविस की मांग है, जो पिछले सीजन के बीच में सीएसके में शामिल हुए थे। तब से, यह दक्षिण अफ्रीकी खिलाडी वैश्विक फ्रेंचाइजी सर्किट में शीर्ष बल्लेबाजों में से एक बन गया है। सितंबर में दक्षिण अफ्रीका 20 नीलामी में प्रिटोरिया कैपिटल्स ने भी उन्हें रिकॉर्ड बोली में शामिल किया था, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स की सहायक कंपनी जोहान्सबर्ग सुपर किंग्स विजयी बोली से पहले ही पीछे हट गई थी।

क्रिकबज द्वारा पिछले कुछ दिनों में दी गई रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान रॉयल्स के ब्रिटेन स्थित प्रमुख मालिक मनोज बडाले, जो वर्तमान में मुंबई में हैं, उनकी बातचीत का नेतृत्व कर रहे हैं। हालाँकि, पता चला है कि चेन्नई सुपर किंग्स अपने रुख पर अडिग है - उनका इस सौदे में किसी और खिलाडी को शामिल करने का कोई इरादा नहीं है, ब्रेविस की तो बात ही छोड दें।

सीएसके की ओर से ऐसा माना जा रहा है कि जडेजा, जो इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक हैं, को छोडना अपने आप में एक बडा खुलासा है। हालांकि, ऐसा माना जा रहा है कि फ्रेंचाइजी ने व्यापार वार्ता शुरू करने से पहले 36 वर्षीय अनुभवी ऑलराउंडर से सलाह-मशविरा किया है। फ़िलहाल, स्थिति यह है कि गेंद राजस्थान रॉयल्स के पाले में है।

सनराइजर्स के सूत्रों के अनुसार, हैदराबाद की टीम सैमसन को लेकर ज़्यादा उत्साहित नहीं है क्योंकि फ्रेंचाइजी के पास तीन स्थापित ओपनर हैं - ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा, जो आईपीएल की सबसे खतरनाक ओपनिंग जोडी हैं, इसके अलावा ईशान किशन भी हैं। फ्रेंचाइजी सूत्रों का कहना है कि उनका ईशान या हेनरिक क्लासेन को छोडने का कोई इरादा नहीं है, जैसा कि हाल ही में अटकलें लगाई जा रही हैं।

प्रतिष्ठित नेशनल गेम्स 2025-26 का आयोजन

जयपुर, 9 नवंबर।युवाओं की खेल भावना और प्रतिभा का राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्सव मनाने वाला प्रतिष्ठित आयोजन - नेशनल गेम्स 2025-26, इस वर्ष जयश्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल, जयपुर की मेजबानी में शुरु हुआ। यह प्रतियोगिताएं 13 नवम्बर 2025 तक चलेंगी। इस वर्ष, जेपीआईएस गर्व के साथ तीन रोमांचक श्रेणियों - अंडर-17 बॉयज़ फुटबॉल और अंडर-19 गर्ल्स फुटबॉल - की मेज़बानी कर रहा है, जो कौशल, जोश और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन पेश करेंगी।

देश-विदेश के 40 से अधिक प्रमुख विद्यालयों से आए 800 से अधिक छात्र-खिलाडी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल, आदित्य बिडला वर्ल्ड ऐस, और जेम्स मॉडर्न अकेडमी, दुबई जैसे प्रतिष्ठित संस्थान भी इस खेल महोत्सव का हिस्सा बनेंगे। 9 नवम्बर को आयोजित उद्घाटन समारोह ने पाँच दिनों तक चलने वाले रोमांचक मुकाबलों, यादगार खेल क्षणों और खेलों के माध्यम से एकता की सच्ची भावना की शुरुआत की। नेशनल गेम्स टीमवर्क, दृढ़ता, साहस और खेल भावना का प्रतीक हैं - यह आयोजन युवा खिलाडियों को एक मंच पर लाता है।

अटलांटा के पास 10,500 सीटों वाला क्रिकेट स्टेडियम प्रस्तावित

अटलांटा, 9 नवम्बर । हाल के वर्षों में संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट के बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय बदलाव आया है, जिसकी वजह डलास के पास अत्याधुनिक सुविधाओं वाले मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) का आगमन और कैलिफ़ोर्निया के प्रतिष्ठित कोलिज़ीयम में मैचों का सफल आयोजन है। इस शीर्ष-स्तरीय विकास के साथ माइनर लीग क्रिकेट (एमआईएलसी) का उदय भी हुआ है, जिसके व्यापक राष्ट्रीय प्रभाव ने पिछले पांच वर्षों में देश भर में दर्जनों टर्फ-पिच मैदानों के विकास को सीधे तौर पर बढ़ावा दिया है।

इस बुनियादी ढांचे को अमेरिकी हृदयभूमि तक ले जाने का काम लाग्रेंज क्रिकेट होल्डिंग्स के सीईओ और अध्यक्ष केवल पटेल कर रहे हैं, जिन्होंने अटलांटा से केवल 50 मिनट दक्षिण में स्थित जॉर्जिया के ग्रामीण लेकिन तेजी से विकसित हो रहे शहर लाग्रेंज में एक निजी स्वामित्व वाला विश्वस्तरीय क्रिकेट स्टेडियम बनाने की महत्वाकांक्षी योजना का अनावरण किया है।

प्रस्तावित स्थल में 10,500 स्थायी सीटें होंगी, जिन्हें प्रमुख टूर्नामेंटों के लिए 25,000 तक बढ़ाया जा सकता है। -85 कॉरिडोर के साथ 45 एकड के भूखंड में फैली इस परियोजना की परिकल्पना साउथम्प्टन के रोज बाउल से प्रेरित एक बहुआयामी खेल और आतिथ्य स्थल के रूप में की गई है। इसके लेआउट में दो लक्जरी होटल, कई रेस्टोरेंट और खेल के मैदान के दोनों ओर दो ग्रैंडस्टैंड शामिल हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय मैचों और घरेलू लीग दोनों की मेजबानी के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस वास्तुशिल्पीय दृष्टिकोण का नेतृत्व टीवीएस डिज़ाइन कर रहा है, जो अटलांटा में मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम और मुंबई में जियो वर्ल्ड सेंटर जैसे ऐतिहासिक स्थलों के पीछे विश्व स्तर पर प्रसिद्ध फर्म है। अकेले क्रिकेट स्टेडियम की अनुमानित लागत 50 मिलियन डॉलर है, जबकि वाणिज्यिक घटकों सहित 45 एकड के विकास परियोजना में कुल निवेश 100 मिलियन डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। पूरा होने के बाद, स्टेडियम में प्लग-एंड-प्ले बुनियादी ढांचा होगा जो प्रसारण के लिए तैयार टूर्नामेंटों की तुरंत मेजबानी करने में सक्षम होगा। पटेल का मानना है कि इससे क्रिकेट और संगीत कार्यक्रम आयोजकों को समय के साथ रसद और सेटअप लागत में काफी बचत होगी।

पटेल के लिए, यह परियोजना केवल बुनियादी ढांचे से कहीं अधिक का प्रतिनिधित्व करती है। यह मुक्ति का क्षण है। लंबे समय से क्रिकेट के हितैषी और न्यू जर्सी निवासी, पटेल दो दशकों से अमेरिकी क्रिकेट जगत में एक जाना-पहचाना नाम रहे हैं, उन्होंने क्लबों और फ्रेंचाइजी टीमों, दोनों का प्रबंधन किया है। न्यू जर्सी में स्टेडियम बनाने के उनके पिछले प्रयास विफल रहे, जिससे उनके समूह को वकील, वास्तुकार और परमिट शुल्क में भारी नुकसान हुआ। यह समझा जाता है कि ला ग्रेंज क्रिकेट होल्डिंग्स ने अंतिम स्वीकृति प्राप्त करने से पहले ही इस परियोजना के लिए परमिट, वास्तुशिल्प योजनाओं और कानूनी शुल्क पर लगभग सात अंकों की राशि खर्च कर दी है; एक ऐसा व्यय जो इस उद्यम की जटिलता और प्रतिबद्धता, दोनों को रेखांकित करता है।

पटेल ने कहा, ''यह सिर्फ़ क्रिकेट के बारे में नहीं है। यह एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र है जिसे हम बना रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए डिज़ाइन किया गया एक विश्वस्तरीय स्टेडियम, खिलाडियों, आगंतुकों और कार्यक्रम के मेहमानों के लिए एक बुटीक होटल, एक जीवंत स्पोर्ट्स बार जहां प्रशंसक उत्साह बढ़ाने, खाने और जश्न मनाने के लिए इकट्ठा होते हैं, खुदरा, मनोरंजन, सामुदायिक कार्यक्रम, ये सब इस स्थल के दिल की धडकन के इर्द-गिर्द घूमते हैं।

राजधानी

पब्लिक रिसर्च सर्वे ने लगभग हर क्षेत्र में भजनलाल सरकार को गहलोत से बेहतर पाया

आमजन ने बिजली, पेयजल, कानून व्यवस्था, उद्योग, निवेश, युवा रोजगार व किसान कल्याण में गहलोत सरकार से बेहतर प्रदर्शन माना

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 2 साल के कार्यकाल को प्रदेश की जनता ने पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार से काफी बेहत्तर बताया है। पब्लिक रिसर्च एंड एडवाइजरी सर्विसेज द्वारा प्रदेश के 200 विधानसभा क्षेत्रों में करवाए गए सर्वे और 10 हजार से अधिक लोगों के फीडबैक के आधार पर यह निष्कर्ष निकला है।

संस्था ने इन 200 विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्येक जगह 50-50 लोगों से बात की, जिसमें उन्होंने भजनलाल सरकार की नीतियों, योजनाओं और कार्यशैली के प्रभाव के बारे में जानकारी जुटाई। साथ ही भजनलाल सरकार के कार्यकाल को पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार के कार्यकाल से भी तुलना करते हुए सवाल पूछे। आमजन से पानी, बिजली, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, उद्योग, निवेश, रोजगार, कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार नियंत्रण, खेलकूद विकास नीति पर बातचीत की गई थी।

पब्लिक रिसर्च एंड एडवाइजरी सर्विसेज इंडिया ने राजस्थान तुलनात्मक जनमत सर्वेक्षण-नवंबर 2025 की रिपोर्ट जारी की। इसमें कहा गया है कि राजस्थान की कानून व्यवस्था और पुलिस प्रणाली के संदर्भ में 62 प्रतिशत लोगों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार को पिछली कांग्रेस सरकार से बेहतर बताया, जबकि 14 प्रतिशत लोगों ने इसे सामान्य बताया।

- **पब्लिक रिसर्च एंड एडवाइजरी सर्विसेज़ द्वारा प्रदेश के 200 विधानसभा क्षेत्रों में करवाए गए सर्वे और 10 हजार से अधिक लोगों के फीडबैक के आधार पर यह निष्कर्ष सामने आया है।**
- **संस्था ने इन 200 विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्येक जगह 50-50 लोगों से बात की, जिसमें उन्होंने भजनलाल सरकार की नीतियों, योजनाओं और कार्यशैली के प्रभाव के बारे में जानकारी जुटाई। साथ ही भजनलाल सरकार के कार्यकाल को पूर्ववर्ती अशोक गहलोत की सरकार के कार्यकाल से भी तुलना करते हुए भी सवाल पूछे।**

यह आंकड़ा सरकार की ''सुरक्षित राजस्थान'' नीति पर जनता के भरोसे को दर्शाता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 2 वर्ष के कार्यकाल को लेकर 56 प्रतिशत नागरिकों ने बेहतर बताया, जबकि 23 प्रतिशत लोगों ने इसे सामान्य माना। यह स्पष्ट संकेत है कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व और प्रशासनिक कार्यकुशलता को जनता ने सकारात्मक दृष्टि से देखा है।

पेयजल के मुद्दे पर 58 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि मौजूदा सरकार में पानी की आपूर्ति और वितरण व्यवस्था बेहतर हुई है, जबकि 22 प्रतिशत लोगों ने इसे सामान्य और 20 प्रतिशत ने कमजोर बताया। ग्रामीण इलाकों में पेयजल परियोजनाओं को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली है। बिजली आपूर्ति के मुद्दे पर 52 प्रतिशत लोगों ने माना कि बिजली आपूर्ति, कटौती नियंत्रण और बिलिंग प्रणाली में सुधार हुआ है। केवल 26 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इसे कमजोर बताया, जबकि 22 फीसदी लोगों ने इसे सामान्य माना। इससे संकेत मिलता है कि सरकार की ऊर्जा नीति पर जनता का भरोसा बढ़ा है।

शिक्षा क्षेत्र में 48 प्रतिशत नागरिकों ने शिक्षकों की उपलब्धता और शैक्षिणक गुणवत्ता को बेहतर बताया, जबकि 36 प्रतिशत ने इसे सामान्य बताया। स्वास्थ्य सेवाओं के मामले में 44 प्रतिशत लोगों ने सुधार की बात कही, 31 प्रतिशत ने सामान्य और 25 प्रतिशत ने कमजोर बताया। इसका अर्थ है कि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं में प्रगति हुई है, लेकिन अभी भी अपेक्षाएं बनी हुई हैं।

बुजुर्ग पेंशन, विधवा सहायता और गरीब कल्याण योजनाओं के संदर्भ में 38 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इन्हें बेहतर बताया, जबकि 42 प्रतिशत लोगों ने इसे सामान्य और 30 प्रतिशत ने कमजोर माना।

राज्य में नए उद्योगों, निवेश और रोजगार के माहौल को लेकर जनता ने सरकार को उच्च अंक दिए। 64 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि औद्योगिक माहौल में सुधार हुआ है, जबकि केवल 22 प्रतिशत ने इसे कमजोर माना।

कृषि और किसान कल्याण योजनाओं के क्षेत्र में भी 63 प्रतिशत किसानों ने वर्तमान सरकार को बेहतर बताया, जिससे यह स्पष्ट है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर सरकार के प्रयासों को जनता ने सराहा है। युवाओं और रोजगार नीति पर 56 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने युवाओं के लिए रोजगार, स्किल डेवलपमेंट और स्टार्टअप योजनाओं में सरकार को बेहतर बताया, जबकि 23 प्रतिशत ने सामान्य और 21 प्रतिशत ने कमजोर कहा।

सरकारी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता को लेकर 49 प्रतिशत नागरिकों ने कहा कि वर्तमान सरकार बेहतर काम कर रही है, 24 प्रतिशत ने सामान्य और 27 प्रतिशत ने कमजोर बताया।

इसका संकेत है कि जनता को शासन में ईमानदारी और जवाबदेही की झलक दिखाई दी है।

खेल सुविधाओं, स्टेडियम और प्रशिक्षण केंद्रों के विकास को लेकर 42 प्रतिशत लोगों ने सरकार को बेहतर, 27 प्रतिशत ने सामान्य और 31 प्रतिशत ने कमजोर बताया।

सर्वे के अंत में जब नागरिकों से पूछा गया कि कुल मिलाकर किस सरकार का प्रदर्शन बेहतर रहा, तो 48 फीसदी लोगों ने वर्तमान भाजपा सरकार को बेहतर बताया, 21 प्रतिशत ने इसे सामान्य कहा।

इस सर्वे से यह निष्कर्ष निकलता है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की जनता को सुशासन, पारदर्शिता, कानून व्यवस्था और विकास के क्षेत्रों में अपेक्षाकृत अधिक संतोषजनक परिणाम मिले हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
RISING™ RAJASTHAN
REPLETE • RESPONSIBLE • READY
प्रत्यक्ष आवंटन योजना - 2025
राइज़िंग राजस्थान में MoU करने वाले निवेशकों के लिए भूखण्ड के आरक्षित मूल्य पर
औद्योगिक भूखण्डों का डायरेक्ट अलॉटमेंट
छठा चरण
अन्तिम 4 दिन शेष
आवेदन एवं EMD की अंतिम तिथि: 13 नवम्बर, 2025 (सायं 6 बजे तक)
ई-लॉटरी: 18 नवंबर, 2025
नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्डों का आवंटन आरक्षित मूल्य पर
100 औद्योगिक क्षेत्र | 5,900+ कुल औद्योगिक भूखण्ड | 5,200+ अनारक्षित भूखण्ड | 38 लॉजिस्टिक भूखण्ड
विभिन्न श्रेणियों / वर्गों के लिए आरक्षित भूखंड
221 अनुसूचित जाति/जनजाति | 220 महिला वर्ग | 115 भूतपूर्व सैनिक | 144 बेंचमार्क दिव्यांगता | 66 सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतक के आश्रित
आवंटन की प्रक्रिया
एक भूखण्ड पर एक ही आवेदक होने पर सीधा आवंटन तथा एक से अधिक आवेदक होने पर ई-लॉटरी के माध्यम से आवंटन
आवेदन हेतु स्कैन करें
EMD - भूखण्ड की कुल देय प्रीमियम राशि की 5 प्रतिशत राशि आवेदन के साथ ही ऑनलाइन जमा।
पात्रता - निवेशक जिन्होंने 14/10/2025 तक राइजिंग राजस्थान में राज्य सरकार के साथ एमओयू किये हैं वे सभी इस योजना में भूखण्ड के लिए पात्र हैं।
भूखण्ड की राशि का भुगतान
*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किश्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
या
RIICO की टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ
औद्योगिक क्षेत्रों में नियोजित लॉजिस्टिक भूखण्डों के आवंटन से संबंधित पॉलिसी riico.rajasthan.gov.in पर देखें।
इस योजना के तहत भूखण्ड देखने या आवेदन करने के लिए https://riico.rajasthan.gov.in पर दिए गए Direct Land Allotment लिंक पर क्लिक करें अथवा SSO Portal पर login के बाद RIICO के आइकन पर क्लिक करके Land Allotment पर जाएं और Direct Land Allotment Policy - 2025 (for RR MoU Holders) पर क्लिक करें।
*केवल औद्योगिक भूखण्डों के लिए
राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एण्ड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर 302005
हैल्पलाइन नंबर : 0141 4593250, 4593237 | वाट्सएप : +91 90013 06515 | ई-मेल : riico@riico.co.in
riico.rajasthan.gov.in · riicogis.rajasthan.gov.in/riicogiscitizen
राज.संवाद/सी/25/13427

राज्यपाल ने 17 विभूतियों को किया सम्मानित

जयपुर (कासं)। ग्रेटर नगर निगम द्वारा रविवार को जेएलएन मार्ग स्थित पंचायती राज संस्थान में सम्मान समारोह एवं ''नवोन्मेष'' स्मारिका एवं ''कॉफी टेबल बुक मेरा जयपुर ग्रेटर'' का विमोचन कार्यक्रम आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शिरकत की। राज्यपाल ने 17 विभूतियों को इस अवसर पर सम्मानित किया, जिन्होंने योग महोत्सव-2025 में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के निर्देशन में नगर निगम ग्रेटर ने स्वच्छता में बेहतरीन काम किया है और इसीलिए नगर निगम ग्रेटर स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में 16 वें पायदान पर पहुंचा।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने रविवार को अंता में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में विशाल रोड शो किया। रोड शो में एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा भी मौजूद थे।

प्रचार के अंतिम दिन मुख्यमंत्री ने अंता में विशाल रोड शो किया

आमजन, कार्यकर्ताओं व अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने उत्साह व उमंग के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया

■ रोड शो में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा, सांसद दुष्यंत सिंह तथा प्रत्याशी मोरपाल सुमन भी रथ पर सवार थे।

अंता/जयपुर 9 नवंबर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि अंता विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन स्थानीय होने के साथ ही सच्चे और ईमानदार व्यक्ति हैं। इस विधानसभा क्षेत्र का विकास मोरपाल सुमन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने अजीतपुरा बालाजी से सीएडी चौराहा, पीडब्ल्यूडी तिराहा होते हुए ब्रह्मपुरी बालाजी तक अंता विधानसभा उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में विशाल रोड शो किया। जिसमें जगह-जगह आमजन, कार्यकर्ताओं और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने घरों की छतों से और दुकानों के बाहर खड़े होकर उत्साह और उमंग से मुख्यमंत्री के साथ रथ में सवार सभी विशिष्टजनों का फूलों की वर्षा से एवं माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और आमजन ने 'माटी का एक ही लाल, मोरपाल-मोरपाल' के नारे लगाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा था। हमारी सरकार ने भी किसानों को सम्मान निधि देने का काम किया है। कांग्रेस ने कभी भी इस प्रकार के कार्य नहीं किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने प्रदेश के पशुपालकों को डेढ़ लाख रूपए तक की गोपाल क्रेडिट कार्ड जैसी महत्वपूर्ण योजना दी। पिछली सरकार में 19 में से 17 पेपर लीक हुए, लेकिन हमारी सरकार के 22 माह के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। हमने 91 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए हैं और डेढ़ लाख विभिन्न पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार युवाओं के हित में कार्य कर रही हैं। पूरे पांच साल में चार लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का हमारा लक्ष्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने युवाओं को स्वरोजगार के लिए भी कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध करवा रही है। हमने आंगनबाड़ी की बहनों का मानदेय बढ़ाया। कांग्रेस जो काम पांच साल में नहीं कर सकी वह हमने 22 माह के कार्यकाल में करके दिखाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जो लोग पैसे बांट रहे हैं, वो कल तक गला काट रहे थे। ऐसे लोगों को यहां की जनता कभी माफ नहीं करेगी और इस बार अंता की जनता जरूर सबक सिखाएगी। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने संबोधन में कहा कि 174 करोड़ रुपये की लागत से 41 किलोमीटर लंबी माल बामोरी-मांगरोल-बारां सड़क कार्य का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। 65 करोड़ रुपये की लागत से अंता से सीसवाली तिराहे तक 4 लेन सड़क एवं रेल ओवर ब्रिज के सुदृढ़ीकरण कार्य भी जल्द शुरू होने जा रहा है। 15 करोड़ रुपये की लागत से मऊ से लालकोठी सड़क के सुदृढ़ीकरण का कार्य 25 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है। विधानसभा क्षेत्र की 25 किलोमीटर लंबाई की मिसिंग लिंक सड़कों का कार्य स्वीकृत हो गया है। गणेशगंज नहरी तंत्र के जीर्णोद्धार की स्वीकृति दे दी गई है।

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने रोड शो समाप्ति के पश्चात विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि मांगरोल-सीसवाली, अंता-सांगोद के सड़क कार्य हमारे समय में हुए। सरकारी कॉलेज बना, खेमजी महाराज तालाब का सौंदर्यीकरण हुआ। सभी ग्राम पंचायतों में गौरव पथ बने तथा सीनियर सेकैण्डरी स्कूल भी बनाए गए। किसानों का कर्ज हमने माफ किया। वसुंधरा राजे ने अंता की जनता से भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की।

रोड शो में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, सांसद दुष्यंत सिंह, जिला अध्यक्ष श्री नरेश सिकरवार सहित विधायकगण और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व आमजन मौजूद थे।

राष्ट्रीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को घुसपैठियों के वोट नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि राजग , युवाओं के वोट और लखपति दीदी के वोट से जीतने वाले हैं। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस- लालू के सरकार में आतंकी हमारी धरती को लहूलुहान कर देते थे। उन्होंने कहा कि राजग की सरकार आतंकियों का खात्मा करती है। उन्होंने कहा कि यदि अब आतंकी गोली चलाएंगे तो हम गोला से जवाब देंगे, वो गोला बिहार में ही बनेगा।

प्रधानमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चंपावत में महिला खेल महाविद्यालय की स्थापना तथा नैनीताल में अत्याधुनिक डेयरी संयंत्र का भी शिलान्यास किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत मोदी ने 28,000 से अधिक किसानों के बैंक खातों में 62 करोड़ रुपये की सहायता राशि भी जारी की।

जिलाध्यक्ष ट्रेनिंग कैंप में लेट आने पर राहुल गांधी को सजा

मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में राहुल गांधी ने जिलाध्यक्षों के सामने 10 ''पुशअप'' लगाये

■ राहुल गांधी ने कांग्रेस जिलाध्यक्षों से कहा कि उनकी जमीन पर इतनी मजबूत पकड़ होनी चाहिए कि भटकाने की कोशिश करने वाला असफल हो जाए।

भोपाल, 09 नवंबर। मध्यप्रदेश के पचमढ़ी में कांग्रेस जिला अध्यक्षों के ट्रेनिंग कैंप में लेट पहुंचने पर लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अनोखी सजा दी गई। जिसमें उन्होंने जिलाध्यक्षों के सामने ही 10 पुश-अप्स लगाए।

पूरा वाक्या पचमढ़ी के होटल हाईलैंड में आयोजित ट्रेनिंग कैंप का है। यहां पर तय समय से राहुल गांधी आधा घंटे लेट पहुंचे। जिस पर कांग्रेस ट्रेनिंग डिपार्टमेंट के हेड सचिन राव ने कहा कि हमारे प्रशिक्षण शिविर में अनुशासन का पालन न करने पर सजा दी जाती है। इस पर राहुल ने पूछा कि मेरे लिए क्या सजा तय की गई है? जवाब देते हुए सचिन ने कहा कि आपको 10 पुशअप्स लगाने होंगे। इसके बाद राहुल गांधी ने जिलाध्यक्षों के सामने ही पुश-अप्स लगाए।

राहुल गांधी ने जिलाध्यक्षों के सामने जुजुत्सु अभ्यास किया। इसके बाद उन्होंने जिलाध्यक्षों को बताया कि आपको जमीन पर अपनी पकड़ मजबूत होनी होगी। यदि जमीन छोड़ी, तो पकड़ भी कमजोर होगी। साथ ही उन्होंने मन संतुलित रखने के लिए कहा कि अगर कोई आदमी आपको मार रहा है तो उसकी ओर ध्यान मत दीजिए। बल्कि उसे गले लगाइए। आपकी जमीन पर इतनी मजबूत पकड़ हो कि आपका ध्यान भटकाने की कोशिश करने वाला असफल हो जाए।

सक्रिय आंतकवादियों के खिलाफ व्यापक तलाशी अभियान

अभियान का उद्देश्य पाकिस्तान से सक्रिय जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों के रिश्तेदारों की संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाना है

■ रामबन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अरूण गुप्ता की अगुवाई में ननिहाल व गूल में कई स्थानों पर समन्वित तरीके से घेराबंदी व तलाशी अभियान चलाया गया।

जम्मू, 9 नवंबर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पाकिस्तान से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने वाले राज्य के मूल लोगों के रामबन जिले में रहने वाले रिश्तेदारों की संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाने के लिए रविवार को एक व्यापक घेराबंदी और तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया।

आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने रामबन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अरुण गुप्ता की अगुवाई में बनिहाल और गूल में कई स्थानों पर समन्वित तरीके से घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया।

उन्होंने बताया कि ऐसे अभियानों का उद्देश्य पाकिस्तान से सक्रिय जम्मू-कश्मीर के मूल निवासियों (जेकेएनओपी) के रिश्तेदारों की संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाना, संदिग्ध व्यक्तियों के इतिहास की पुष्टि करना और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा कड़ी करना है। इस अभियान में पाकिस्तान से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने वाले जम्मू-कश्मीर के मूल निवासयों और सक्रिय कार्यकर्ताओं के रिश्तेदारों और सहयोगियों के घरों की तलाशी ली गई।

उन्होंने कहा, ''पुलिस टीमों ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई परिसरों का गहन निरीक्षण किया कि कोई राष्ट्र-विरोधी या गैरकानूनी गतिविधियाँ तो नहीं चलाई जा रही हैं।'' रामबन पुलिस, सेना, सीआरपीएफ और एसओजी इकाइयों की संयुक्त टीमों ने ड्यूटी मजिस्ट्रेटों के साथ मिलकर जिले के विभिन्न संवेदनशील इलाकों में अभियान चलाया।

प्रवक्ता ने कहा, ''आम जनता को कोई असुविधा पहुँचाए बिना ये अभियान सुनियोजित तरीके से चलाए गये और इस तरह के अभियान क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जारी निवारक और खुफिया-उपायों का एक हिस्सा हैं।

प्रवक्ता ने कहा, ''पुलिस ने आम जनता से कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने और अपने क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों या व्यक्तियों के बारे में कोई भी अहम जानकारी साझा करने की अपील की है।

जापान में भूकंप के बाद सुनामी की चेतावनी

■ भूकंप की तीव्रता 6.7 मापी गई, जिसे खतरनाक श्रेणी में माना जाता है।

टोक्यो, 09 नवंबर। जापान में भूकंप के बेहद तेज झटके महसूस किए गए हैं। स्थानीय समय के हिसाब से रविवार शाम उत्तरी जापान के तट पर शक्तिशाली भूकंप आया है। इससे इवाते प्रान्त में बड़े नुकसान का अंदेशा जताया जा रहा है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने बताया कि भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.7 मापी गई, जिसे खतरनाक श्रेणी में रखा जाता है। यह शक्तिशाली भूकंप शाम 5:03 बजे (स्थानीय समयानुसार) आया। भूकंप से हुए नुकसान के बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है।

भूकंप का केंद्र इवाते प्रांत के तट पर समुद्र की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। इस दौरान इवाते के कुछ हिस्सों में आए भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई। भूकंप के बाद जापान में सुनामी का खतरा मंडरा रहा है। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने एक मीटर (तीन फीट) ऊंची सुनामी उठने की चेतावनी जारी की है। इससे स्थानीय लोगों में डर का माहौल है।

पॉक्सो अदालत ने दुष्कर्मी पिता को 20 साल की सजा दी

अभियुक्त ने नाबालिग सौतेली पुत्री के साथ कई बार दुष्कर्म का घिनौना कृत्य किया

■ इस मामले की रिपोर्ट पीड़िता ने मार्च 2022 को करधनी थाने में कराई थी।

जयपुर (कासं)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1, महानगर द्वितीय ने नाबालिग सौतेली पुत्री के साथ कई बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त पिता को 20 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर जुर्माना भी लगाया है।

पीठासीन अधिकारी विकास कुमार खंडेलवाल ने कहा कि सौतेले पिता ने अपनी 17 साल की नाबालिक बेटी के साथ दुष्कर्म कर रिश्ते को कलंकित करने का काम किया है। अभियुक्त ने पीड़िता की स्थिति का नाजायज़ फायदा उठाते हुए उसके साथ रेप जैसा घिनौना कृत्य कई बार किया। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता। अदालत ने कहा कि मामले में डीएनए सैंपल और मेडिकल परीक्षण घटना के करीब एक माह बाद किया गया है। ऐसे में एफएसएल और डीएनए रिपोर्ट में अपराध की पुष्टि ना होना स्वाभाविक है। वहीं पीड़िता ने विश्वसनीय बयान दिए हैं और क्रॉस एग्ज़ामिनेशन में भी पीड़िता ने अपनी बात दोहराई है। ऐसे में डीएनए रिपोर्ट पक्ष में आने का लाभ अभियुक्त को नहीं मिल सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने बताया कि मामले में पीड़िता ने 7 मार्च 2022 को करधनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा कि पीड़िता और उसकी तीन बहने अपनी मां और सौतेले पिता के साथ किराए के घर में रहती है। इस दौरान पिता के मारपीट से परेशान होकर बहने अपनी नानी के साथ रहने लग गई। इस दौरान 5 फरवरी 2022 को सौतेले पिता ने मां की अनुपस्थिति में उसके साथ दुष्कर्म किया। जब इसकी शिकायत मां को दी तो मां ने कोई सहायता नहीं की। इसके बाद भी कई बार पिता ने उसके साथ संबंध बनाए। इस दौरान पीड़िता ने अपनी बहन और मामा को घटना की जानकारी दी।

बिहार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीमा सील होने के बाद जयनगर के बेतौंहा बॉर्डर कस्टम चेक पोस्ट पर सभी तरह के आवागमन पर रोक लगा दी गई है और बैरिकेडिंग कर सीमा को बंद कर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, सीमा क्षेत्र लंबे समय से संवेदनशील माना जाता रहा है, ऐसे में चुनावी अवधि में सख्त निगरानी और स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त गश्त की व्यवस्था की गई है। एसएसबी ने स्पष्ट किया है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जायेगी, जिससे मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण और निष्पक्ष रूप से संपन्न हो सके।

राष्ट्रपति मुर्मू की अंगोला यात्रा में 3 समझौते हुए

■ भारत अंगोला को रक्षा खरीद में ऋण देगा तथा कृषि व औषधि उद्योग में सहयोग करेगा।

लुआंडा, 09 नवंबर। भारत ने अंगोला को रक्षा खरीद के लिए ऋण मुहैया कराने, कृषि और औषधि क्षेत्र में परस्पर सहयोग के लिए तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इन दिनों अंगोला की सरकारी यात्रा पर हैं और उनकी मौजूदगी में रविवार को इन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

इससे पहले यहां के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंकाल्वेस लौरेंको ने प्रेसिडेंशियल पैलेस में राष्ट्रपति मुर्मू का भव्य स्वागत किया। उन्हें यहां सलामी गारद भी दी गई। वह अंगोला और बोत्सवाना की राजकीय यात्रा पर हैं। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इन देशों की पहली राजकीय यात्रा है।

इस अवसर पर मुर्मू ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और अंगोला मत्स्य पालन, एक्वाकल्चर, मरीन के क्षेत्र में भी परस्पर सहयोग पर भी सहमत हुए हैं। उन्होंने इस बात पर भी प्रसन्नता जताई कि अंगोला वैश्विक बायोफ्यूल एलायंस समूह में शामिल हो गया है।

राष्ट्रपति मुर्मू, अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंजाल्विस लौरेंको के निमंत्रण पर यहां आयी हैं। भारत और अंगोला इस वर्ष राजनयिक संबंधों की स्थापना की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। उनका राष्ट्रपति लौरेंको के साथ द्विपक्षीय वार्ता का भी कार्यक्रम है। वह अंगोला की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ समारोह में भाग लेंगी। उनका अंगोला में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत का भी कार्यक्रम है।

असमानता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के पार समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए सामाजिक एकीकरण के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि परिवारों और दोस्तों को आपस में मिलना-जुलना चाहिए, त्योहार साथ मिलकर मनाने चाहिए और एक-दूसरे का समर्थन करना चाहिए।

भागवत ने राजनेताओं द्वारा जाति और मनुस्मृति जैसे ग्रंथों के दुरुपयोग पर टिप्पणी करते हुए कहा कि सामाजिक जागरूकता सबसे प्रभावी प्रतिक्रिया है।

उन्होंने कहा, ''राजनीतिक शरारतें तभी पनपती हैं जब वे स्वार्थ सिद्ध करती हैं। जब समाज सामूहिक रूप से विभाजनकारी विचारों को स्वीकार करने से इनकार करता है और समानता पर ज़ोर देता है, तो ऐसे प्रयास बेकार हो जाते हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि एकीकरण, सम्मान और एकता को सबसे पहले सामुदायिक स्तर पर बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

गुवाहाटी में वायुसेना ने अपनी ताकत दिखाई

■ भारतीय वायुसेना के स्थापना दिवस समारोह में राफेल, सुखोई, तेजस व मिराज ने एकसाथ उड़ान भरी।

गुवाहाटी, 09 नवंबर। गुवाहाटी में रविवार भारतीय वायुसेना का ऐसा नज़ारा देखने को मिला, जिसने पूरे देश को गर्व से भर दिया।

ब्रह्मपुत्र नदी के लाचित घाट पर भारतीय वायुसेना ने अपनी 93वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भव्य एयर शो का आयोजन किया। इस दौरान राफेल, सुखोई, तेजस और मिराज जैसे लड़ाकू विमानों ने एक साथ उड़ान भरकर आसमान को देशभक्ति के रंगों में रंग दिया। इस साल वायुसेना दिवस की थीम अचूक, अभेद्य और सटीक है।यह एयर शो न केवल वायुसेना की ताकत का प्रतीक है, बल्कि राष्ट्रीय गौरव का भी प्रतीक है।

इस खास मौके पर वायुसेना के आधुनिक एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टरों ने 25 अलग-अलग फॉर्मेशन में उड़ान भरी। इनमें राफेल, सुखोई - 30एमकेआई, तेजस, मिराज, जगुआर, मिग-29, सी-130, सी-17, अपाचे, प्रचंड और एएलएच मार्क-1 हेलीकॉप्टर भी शामिल रहे। एयर शो में सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में असम के राज्यपाल, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह भी मौजूद थे। दोनों तटों से हज़ारों दर्शक इस ऐतिहासिक नज़ारे के साक्षी बने।

रणनीतिक रूप से यह शो बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि गुवाहाटी क्षेत्र चीन की सीमा और चिकन नेक कॉरिडोर के नजदीक है। गुवाहाटी की धरती से भारत ने चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश तीनों का साधने की कोशिश की।इस इलाके के ऊपर राफेल और तेजस जैसे फाइटर जेट्स की उड़ान भारत के पूर्वोत्तर में एयर पावर प्रेज़ेंस का मजबूत संदेश देती है।

गुजरात में आईएसआईएस के तीन आतंकवादी पकड़े गये

■ तीनों आतंकवादी हथियारों की अदला-बदली के लिए गुजरात आये थे।

अहमदाबाद, 09 नवंबर। गुजरात एटीएस ने एक बड़ी आतंकी साजिश का पर्दाफाश करते हुए तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आतंकियों में दो उत्तर प्रदेश के निवासी हैं जबकि एक हैदराबाद से ताल्लुक रखता है। सूत्रों के मुताबिक, ये तीनों आतंकी हथियारों की अदला-बदली के लिए गुजरात पहुंचे थे और देशभर में आतंकी हमलों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। गुजरात एटीएस की टीम पिछले एक साल से इन आतंकियों पर नजर रख रही थी। पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ है कि ये आतंकी आईएसआईएस से जुड़े हुए हैं और देश में बड़े पैमाने पर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की तैयारी में थे।

वोट चोरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने युवाओं को संबोधित करते हुये कहा कि आज की सदी का नशा ट्विटर और फेसबुक है, लेकिन इससे रोजगार नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि, 'बिहार का युवा रोजगार चाहता है न कि 21 वीं सदी का नशा। रोजगार, काम और पलायन पर प्रधानमंत्री युवाओं और किसानों से कभी संवाद नहीं करते हैं।' उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनाव में भाजपा और संघ एक ओर हैं, जबकि कांग्रेस और तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाला महागठबंधन दूसरी ओर। गांधी ने कहा कि उनकी लड़ाई विचारधाराओं की है, एक विचारधारा देश को बांटती है और दूसरी जनता को जोड़ती है।

अंडमान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुताबिक, इसमें संपूर्ण पूर्वोत्तर भारत, जम्मू-कश्मीर के कुछ इलाके के अलावा हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात में कच्छ का रण, उत्तरी बिहार के कुछ हिस्से और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह शामिल हैं।

भूमि खरीद मामले में अजित पवार के पुत्र को 42 करोड़ रूपए की चपत लगेगी

लेन-देन रद्द होने के बावजूद उन्हें रजिस्ट्रेशन के 21 करोड़ व समझौता रद्द होने की लागत 21 करोड़ रूपए देनी होगी

■ कंपनी में 99 प्रतिशत हिस्सेदारी के बावजूद पार्थ पवार को आरोपी नहीं बनाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायत कंपनी के खिलाफ दर्ज की गई है। व्यक्तिगत हितधारक के खिलाफ नहीं। जाँच में जो भी शामिल पाये गए, उनके खिलाफ कार्यवाही होगी।

मुंबई, 09 नवंबर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे पार्थ पवार की साझेदारी वाली एक कंपनी को पुणे में सरकारी जमीन की खरीद रद्द होने के बावजूद युवा व्यवसायी को दोहरा झटका लगा है।

जब इस मामले में विवाद बढ़ा तो इस आपत्तिजनक लेनदेन को रद्द कर दिया गया लेकिन फिर भी कंपनी को इस रद्द किए गए सौदे से संबंधित भारी स्टाम्प शुल्क का भुगतान करना होगा।

राजस्व विभाग के अधिकारियों के अनुसार, लेनदेन रद्द होने के बावजूद कंपनी को अभी भी इस संबंध में कुल 42 करोड़ रुपये का भुगतान करना पड़ेगा। इसमें 300 करोड़ रुपये की भूमि खरीद के पंजीकरण के लिए कुल मूल्य का सात प्रतिशत 21 करोड़ रुपये तथा समझौता रद्द करने की लागत के रूप में अतिरिक्त 21 करोड़ रुपये शामिल हैं।

यह विवाद तब सामने आया था जब पता चला कि भूमि अधिग्रहण में सरकारी प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया गया। राज्य सरकार के स्वामित्व वाली यह संपत्ति कथित रूप से उसके वास्तविक बाजार मूल्य के लगभग छठे हिस्से पर बेची जा रही थी जिसकी अनुमानित कीमत 1,800 करोड़ रुपये है। इसके अलावा, इस लेन-देन में कथित रूप से स्टाम्प शुल्क में छूट का लाभ भी प्राप्त हुआ क्योंकि दावा किया गया था कि भूमि को सूचना प्रौद्योगिकी पार्क के लिए विकसित किया जाएगा।

अधिकारियों ने पुष्टि कि है कि वर्तमान सरकारी नियमों के अनुसार राज्य के स्वामित्व वाली भूमि निजी संस्थाओं को हस्तांतरित नहीं की जा सकती है जिससे यह सौदा कानूनी रूप से अवैध हो गया। इस खुलासे के बाद तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया शुरू हो गयी और विपक्षी दलों ने अजित पवार के इस्तीफे की मांग की तथा कहा कि इस घटना से सरकारी भूमि बिक्री प्रक्रियाओं में गंभीर उल्लंघन का पता चला है।

उपमुख्यमंत्री ने शुक्रवार को अपने स्पष्टीकरण में कहा था कि उन्हें भूमि खरीद के संबंध में कोई पूर्व जानकारी नहीं थी और कहा कि लेनदेन पूरी तरह से खारिज हो चुका है। हालांकि, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उसी दिन थोड़ा अलग रुख अपनाते हुए कहा कि किसी भी औपचारिक रद्दीकरण प्रक्रिया से पहले लेनदेन का पूरा होना एक आवश्यक कानूनी शर्त है। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्रवाई शुरू करने से पहले स्टाम्प शुल्क संबंधी दायित्वों को पूरा किया जाना चाहिए।

इस मामले में विवाद तब और गहरा हो गया जब यह बात सामने आयी कि संबंधित फर्म में 99 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने के बावजूद पार्थ पवार को इस संबंध में दर्ज पुलिस शिकायत में आरोपी नहीं बनाया गया। इस मुद्दे पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि शिकायत कंपनी के खिलाफ दर्ज की गई थी, किसी व्यक्तिगत हितधारक के खिलाफ नहीं। उन्होंने आगे कहा कि जांच के दौरान कंपनी के लेन-देन में हस्ताक्षर का अधिकार रखने वाले सभी लोगों की जांच की जाएगी और जो भी गलत कामों में शामिल पाए जाएंगे उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी और अतिरिक्त लोगों की भूमिका स्पष्ट होगी, उनके नाम कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार औपचारिक शिकायत में जोड़ दिए जाएंगे।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908